हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 301 | प्रयागराज, मंगलवार 14 फरवरी , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ—4 | मूल्य : 3 रुपया

अडानी मुद्दे पर हंगामे के बीच राज्यसभा 13 मार्च तक स्थगित, लोकसभा में कार्यवाही जारी

नई दिल्ली। 1राज्य सभा में कांग्रेस सदस्य रजनी पाटिल के निलंबन और अडानी समूह पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट को लेकर चल रहे विपक्ष के भारी हंगामे के बीच सोमवार को सदन की कार्यवाही 13 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई। इसके साथ ही राज्य सभा में बजट सत्र का पहला चरण संपन्न हो गया। सभापति जगदीप धनखड़ ने प्रश्नकाल के शुरू होने के साथ ही सदन के स्थगित करने की घोषणा की। पहले उन्होंने प्रश्नकाल चलाने का प्रयास किया लेकिन कांग्रेस के प्रमोद तिवारी ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर संयुक्त संसदीय समिति गठित करने की मांग की और रजनी पाटिल के निलंबन का मुद्दा उठाया।सभापति ने कहा कि सदन चलाने में विपक्ष सहयोग नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा कि सदस्यों को जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप काम करना चाहिए, लेकिन नारेबाजी कर रहे सदस्यों पर इसका कोई असर नहीं हुआ। इसके बाद उन्होंने प्रश्नकाल की शुरुआत में ही सदन की कार्यवाही 13 मार्च तक स्थगित करने की घोषणा कर दी। इससे पहले भी शून्य काल के दौरान श्रीमती पाटिल का निलंबन रद्द करने और हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट की संयुक्त संसदीय समिति से जांच कराने की मांग को लेकर कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सहित अधिकतर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे और नारेबाजी के कारण राज्य सभा की कार्यवाही 20 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। पूर्वाह्न सदन की कार्यवाही शुरू करते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि आज दो सदस्यों ने नियम 267 के तहत नोटिस दिया है जिसमें एक नोटिस आम आदमी पार्टी के संजय सिंह का और दूसरा संतोष कुमार पी का है। उन्होंने गहरी नाराजगी जताते हुये कहा कि श्री संजय सिंह सिर्फ तारीख बदलकर एक ही नोटिस को सात बार दे चुके हैं, जो बहुत ही गंभीर है। उन्होंने कहा कि एक ही मुद्दे पर बार—बार नोटिस देना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि आज जो दो नोटिस मिले हैं वे प्रावधानों के अनुरुप नहीं है और स्वीकार नहीं किये जा रहे हैं।

शून्यकाल शुरू करते हुये उन्होंने कांग्रेस और विपक्ष के दूसरे दलों के कुछ सदस्यों के नाम पुकारे लेकिन हंगामे का हवाला देकर वे नहीं बोले। सत्तापक्ष के कुछ सदस्यों ने हालांकि अपने मुद्दे उठाये। इसी दौरान जब विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कुछ बोलना चाहा तो श्री धनखड़ ने कहा कि जिन शब्दों को कार्यवाही से हटाया गया है, उसी का उल्लेख किया जाना उचित नहीं है। कांग्रेस सदस्यों के बार—बार कहने पर सभापति ने श्री खड़गे को अपनी बात रखने के लिए कहा। इस पर श्री खड़गे फिर से उन्हीं शब्दों को लेकर बोलने लगे। उन्होंने श्रीमती पाटिल को निलंबित किये जाने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 'सरकार के दबाव में ' ऐसा किया गया है। इसी बीच सभापति ने उन्हें रोकते हुये कहा कि आप बार—बार सदन में और सदन के बाहर यही कहते हैं। उन्होंने कहा, " मैं किसी के दबाव में काम नहीं कर रहा हूं बल्कि मैं नियम के अनुसार और संविधान तथा देशवासियों के हित में काम करता हूं। " उन्होंने कहा कि 'सरकार के दबाव में' शब्द को कार्यवाही से हटाया जा रहा है।

इसके बाद उन्होंने सत्तापक्ष के सदस्य को शून्यकाल पर बोलने के लिए पुकारा तभी कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और अन्य विपक्षी सदस्य सदन के बीचोबीच आकर नारेबाजी करने लगे। सदन के नेता पीयूष गोयल ने इस पर कहा कि इस तरह का व्यवहार कब तक चलेगा। हंगामा करने वाले सदस्यों का नाम लिया जाना चाहिए और सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित कर सभी दलों के नेताओं के साथ चर्चा की जानी चाहिए। इस पर सभापति ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राघव चढ्ढा, संजय सिंह, कांग्रेस की रंजीत रंजन, शक्ति सिंह गोहिल, इमरान प्रतापगढ़ी आदि का नाम पुकारा। स्थगन के बाद कार्यवाही शुरू होने पर सभापति ने शून्यकाल शुरू करने की कोशिश की।

इसी दौरान कांग्रेस के दिग्विजय सिंह ने कहा कि सदन को संविधान के अनुरूप ही चलाया जाना चाहिए और हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट की जेपीसी से जांच करायी जानी चाहिए। तभी श्री धनखड़ ने कहा कि जिस विषय पर सदन में एक बार व्यवस्था दी जा चुकी है और उसी को बार—बार उठाने का कोई औचित्य नहीं है। इसी बीच कांग्रेस के प्रमोद तिवारी ने व्यवस्था का सवाल उठाते हुये कहा कि सभापति के पास यह अधिकार है कि वह किसी भी सदस्य का निलंबन वापस ले सकते हैं और जेपीसी की मांग को पूरा कर सकते हैं। इस पर सदन के नेता श्री गोयल ने कहा कि निलंबन वापस लेने की जिम्मेदारी सभापति पर नहीं डाली जानी चाहिए। यह काम विपक्षी सदस्य भी अपने आचरण को सुधार कर और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुयी चर्चा का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उत्तर दिये जाने के दौरान करीब सवा घंटे तक किये गये अपने व्यवहार के लिए माफी मांग कर पूरा कर सकते हैं। इससे पहले श्री धनखड़ ने कहा कि वह सिर्फ संविधान और उसकी मूल भावना के अनुरूप ही सदन को चलाने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष का रुख बजट सत्र के शुभारंभ से ही नकारात्मक रहा है। दो दल राष्ट्रपति के अभिभाषण में शामिल

पूर्व सैनिकों की सुविधा के लिए रोजगार पोर्टल बनाने की मांग

नई दिल्ली। लोकसभा में सरकार से पूर्व सैनिकों को रोजगार की सुविधा आसानी से मुहैया कराने के लिए एक पोर्टल बनाने की आज मांग की गयी। तेलुगु देशम पार्टी के राम मोहन नायडू ने शून्यकाल में यह मामला उठाया और पूर्व सैनिकों के लिए रोजगार आसानी से सुलभ करने के वास्ते पोर्टल बनाने की सरकार से अपील की। उन्होंने कहा कि यदि इस तरह से पूर्व सैनिकों के लिए एक पोर्टल के माध्यम से नौकरियों की सूचना उपलब्धता की जाती है तो उन्हें आसानी से जानकारी मिलेगी। उन्होंने सरकार से तत्काल पोर्टल बनाने की मांग की।

शून्यकाल में ही भाजपा के पी पी चौधरी ने राजस्थान में परीक्षा के दिन बच्चों के लिए इंटरनेट बंद करने के राज्य सरकार के निर्णय पर चिंता जताई और कहा कि राजस्थान देश में डिजिटल माध्यम का इस्तेमाल करने वाले प्रमुख राज्यों में शामिल है और वर्तमान सरकार लोगों की अभिव्यक्ति के अधिकार में हस्तक्षेप कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार सर्वर बंद कर देती है जिससे युवाओं को नुकसान होता है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि इस मुद्दे को लेकर राजस्थान सरकार से वह स्पष्टीकरण मांगे। भाजपा के ही रामचंद्र बोहरा ने शून्यकाल में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर पत्रकारों को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया और कहा कि मुख्यमंत्री अखबारों पर दबाव बना रहे हैं कि विज्ञापन उन्हें ही दिए जाएंगे जो उनकी खबर छापते है। उनका कहना था कि इस तरह के मामलों के लिए एक समिति भी गठित की गई जिसने इन खबरों की पुष्टि की है। उन्होंने केंद्र सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय से इस मामले को संज्ञान में लेने का आग्रह किया।

जनजातीय समूहों को विकास की सर्वाधिक जरूरत : मुर्मू

लखनऊ। जनजाति समूहों को शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की अपील करते हुये राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि समाज के इस वर्ग को विकास की सर्वाधिक आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश प्रवास के दूसरे दिन श्रीमती मुर्मू ने राजभवन के गाँधी सभागर में 'बुक्सा' जनजातीय समूह के प्रतिनिधियों को वनाधिकार पट्टा अभिलेख प्रपत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की लगभग 25 करोड़ जनता में जनजातीय समूहों को विकास की सर्वाधिक आवश्यकता है। कोई भी समाज पीछे न रह जाये सभी आगे बढेंं, कोई भी बच्चा अनपढ़ न रहे। राष्ट्रपति ने प्रदेश सरकार द्वारा जनजातीय समूहों के विकास के लिये किए जा रहे कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने जनजातियों के विकास के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने समारोह में आये 'बुक्सा' जनजातीय समूह के प्रतिभागियों को विकास के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि सबके साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ें। सभी के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। बेटा हो बेटी—सभी पढे। उन्होंने शिक्षा के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दी गई व्यवस्थाओं का उल्लेख करते हुए छात्रावासों की उपलब्धता और विद्यार्थियों को साइकिल प्रदान करने की चर्चा की। राष्ट्रपति ने जनजातीय समूहों को नयी तकनीक से जोड़ने, सरकार की आवास योजनाओं के तहत आवास प्रदान करवाने, जनजातीय क्षेत्रों के निकट विद्यालयों को बनवाने की आवश्यकता पर जोर दिया। जनजातीय समूहों के विकास के लिए प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुये उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने गाँवों को गोद लेने का कार्यक्रम चलाकर इस क्षेत्र में विकास के लिए बड़ा कार्य किया है। उन्होने कहा कि मुसहर जनजाति के लोग जंगलों में रहते हैं। उनकी खुद की जमीन न होने से वे प्रधानमंत्री आवास योजना से नहीं जुड़ पाते। उन्होंने समाज के लोगों को नसीहत दी कि सीखना बहुत जरूरी है। बेटा हो या बेटी, दोनों को पढ़ाना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा " जिंदगी जीने के लिए घर जरूरी है।

भाजपा विधायक की टीआई से नोंक-झोंक, वीडियो वायरल होने के बाद एसपी ने थाना प्रभारी को किया लाइन अटैच

छतरपुर। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के लबकुश नगर थाने में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक विधायक और थाना प्रभारी के बीच हुयी बहस का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद मामले ने तूल पकड लिया है। बताया गया है कि जिले के चंदला विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक राजेश प्रजापति मारपीट के एक मामले की शिकायत दर्ज कराने लबकुश नगर थाने पहुंचे थे और जब उनकी शिकायत दर्ज नहीं हुयी, तो वह थाने में ही धरने पर बैठ गए। इस घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। यह वीडियो कल रात्रि का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में थाना प्रभारी और विधायक श्री प्रजापति के बीच मारपीट की शिकायत दर्ज कराने को लेकर बहस करते देखा जा रहा है। वीडियों में थाना प्रभारी विधायक पर झूठा मामला दर्ज करवाने का आरोप लगा रहे हैं। इस घटनाक्रम के बाद भाजपा विधायक श्री प्रजापति लवकुश नगर थाने में अपने समर्थकों के साथ रातभर धरने में बैठे रहे। वहीं इस घटना के बाद थाना प्रभारी को लाइन अटैच कर दिया गया।

भारत ने 8—9 वर्षों में रक्षा उत्पादन क्षेत्र का किया कायाकल्प : मोदी

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में पेश करते हुए सोमवार को कहा कि देश अनुकूल आर्थिक नीतियों के सहारे विश्व स्तर पर सैन्य साजोसामान के प्रमुख निर्यातकों में से एक बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। मोदी ने बेंगलुरू के बाहरी इलाके में स्थित येलहंका वायुसेना स्टेशन परिसर में 'एरो इंडिया के 14वें संस्करण का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कहा कि भारत ने पिछले आठ—नौ वर्षों में अपने रक्षा उत्पादन क्षेत्र का कायाकल्प किया है और 2024—25 तक सैन्य साजोसामान के निर्यात को 1.5 अरब अमरीकी डालर (एक अरब = 100 करोड़ रुपये) से बढ़ाकर पांच अरब अमरीकी डालर करने की सोच रहा है। मोदी ने कहा, ''21वीं सदी का नया भारत, अब न कोई मौका खोएगा और न ही अपनी मेहनत में कोई कमी रखेगा। हम कमर कस चुके हैं। हम सुधारों के रास्ते पर हर क्षेत्र में क्रांति ला रहे हैं।श उन्होंने कहा, ''देश, जो दशकों से सबसे बड़ा रक्षा आयातक था, वो अब दुनिया के 75 देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। बीते पांच वर्षों में देश का रक्षा निर्यात छह गुना बढ़ा है और उसने अपने निर्यात में 1.5 अरब डॉलर के आंकड़े को हमने पार कर लिया है। पांच दिवसीय प्रदर्शनी को एशिया में सबसे बड़ी प्रदर्शनी माना जाता है। इसमें 700 से अधिक भारतीय और विदेशी रक्षा कंपनियां और 100 देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इसमें कई देशों के रक्षा मंत्री भी शामिल हैं। मोदी ने कहा, 'आप भी जानते हैं कि रक्षा एक ऐसा क्षेत्र है जिसकी प्रौद्वद्योगिकी को, जिसके बाजार को और जिसके व्यापार को सबसे जटिल माना जाता है। इसके बावजूद, भारत ने बीते 8—9 साल के भीतर—भीतर अपने यहां रक्षा क्षेत्र का कायाकल्प कर दिया है। इसलिए, हम इसे अभी केवल एक शुरुआत मानते हैं। उन्होंने कहा, ''हमारा लक्ष्य है कि 2024—25 तक हम निर्यात के इस आंकड़े को डेढ़ अरब डालर से बढ़ाकर 5 अरब डॉलर तक ले जाएंगे। मोदी ने कहा कि रक्षा एवं एयरोस्पेस के क्षेत्र में किए गए प्रयास भारत के लिए एक 'लांच पैड की तरह काम करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि 'एरो इंडियाश में लगभग 250 कंपनी से कंपनी समझौते (बी2बी) होने की उम्मीद है, जिससे लगभग 75,000 करोड़ रुपये का निवेश मिलने की उम्मीद है। इस कार्यक्रम में आयोजित एक एयर शो में भारतीय वायुसेना के कई विमानों ने अपनी हवाई ताकत का प्रदर्शन किया। 'एरो इंडिया का विषय 'द रनवे टू ए बिलियन अपॉर्चुनिटीज है और इसका उद्देश्य रक्षा और एरोस्पेस क्षेत्र में भारत की प्रगति और क्षमताओं को पेश करना है। उद्घाटन समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि 'एरो इंडियाश भारत में एरोस्पेस क्षेत्र के आगे विकास में एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा।

दुनिया को एक सूत्र में पिरोने में मदद करेगी डिजिटल इकॉनमी : सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम के भाव के साथ डिजिटल इकॉनमी पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में आगे बढ़ा सकती है जो मानव जीवन के कल्याण में मदद करेगी। जी20 डिजिटल इकॉनमी वर्किंग ग्रुप की बैठक का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जी—20 का स्लोगन वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर यानी 'वसुधैव कुटुम्बकम वास्तव में भारत का वो प्राचीन श्लोक है। जो भारत की दुनिया के बारे में उस सोच को प्रदर्शित करता है कि भारत के पास जो कुछ भी था उसे बिना राग द्वेष के या किसी भी अहंकार के कभी यह नहीं कहा कि यह मेरा है तो इस पर मेरा ही एकाधिकार है। निश्चित ही डिजिटल इकॉनमी वसुधैव कुटुम्बकम के इस भाव के साथ पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में आगे बढ़ाने में मदद करेगी और मानवता के कल्याण का काम कर सकती है। जी20 से जुड़े प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए सीएम योगी ने कहा कि आबादी की दृष्टि से उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है। 25 करोड़ की आबादी यहां निवास करती है। यह भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व भी करता है। भारत की सबसे उर्वरा भूमि भी उत्तर प्रदेश में है। भारत की कुल कृषि योग्य भूमि में से 11 प्रतिशत भूमि उत्तर प्रदेश के पास है। इसमें 20 फीसदी खाद्यान्न उत्पादन उत्तर प्रदेश करता है। सबसे अच्छा जल संसाधन भी उत्तर प्रदेश के पास है। उत्तर प्रदेश के पास सबसे ज्यादा युवा शक्ति है और आधुनिक अर्थव्यवस्था की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण आधार एमएसएमई का बेस चाहिए ऐसे 96 लाख एमएसएमई यूनिट भी उत्तर प्रदेश में मौजूद है। उन्होने कहा पिछले नौ सालों में वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को आगे बढ़ाने और दुनिया को नई दिशा देने में प्रधानमंत्री मोदी ने बड़ी भूमिका का निर्वहन किया है। आज प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार गवर्नेंस के विभिन्न आयामों में अत्याधुनिक तकनीक और डिजिटाइजेशन को अपनाकर प्रदेश की एक बड़ी आबादी को सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य कर रही है। देश की आबादी का लगभग हर छठा व्यक्ति उत्तर प्रदेश में निवास करता है। तकनीक का उपयोग करते हुए हम लोग इतनी बड़ी आबादी के साथ पूरे पारदर्शी तरीके से काम कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि तकनीक का लाभ किस रूप में प्रदेश के लोगों को प्राप्त हो रहा है यह देश की सबसे बड़ी खाद्यान्न योजना के वितरण के रूप में देखी जा सकती है। यूपी में 80 हजार फेयर प्राइज शॉप्स हैं। छह साल पहले एक शिकायत होती थी कि खाद्यान्न गरीबों को नहीं मिल पाता है। हमने जब ई पॉज मशीन लगाई तो प्रदेश के अंदर हमने उनकी मॉनीटरिंग प्रारंभ की। आज परिणाम है कि 15 करोड़ लोगों को पब्लिक डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम से हम खाद्यान्न उपलब्ध करा रहे हैं और तकनीक के माध्यम से 1200 करोड़ रुपए की सालाना बचत भी कर रहे हैं।

स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ हिंसा रोकने के लिए समग्र विधेयक लाए सरकार : थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने सोमवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया कि स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ होने वाली हिंसा की घटनाओं को रोकने के लिए एक समग्र विधेयक लाया जाना चाहिए। उन्होंने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान यह मांग की। तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य थरूर ने कहा, ''पिछले कुछ वर्षों में स्वास्थ्यकर्मियों पर हमले बढ़े हैं। स्वास्थ्यकर्मी देश के नागरिकों की सेवा कर रहे हैं और जिंदगियां बचा रहे हैं। उनका कहना था कि सरकार इससे जुड़ा एक विधेयक लेकर आई थी, लेकिन कोई कारण बताए बिना इसे वापस ले लिया गया। उन्होंने आग्रह किया, ''स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को रोकने के लिए एक समग्र विधेयक लाया जाए। भारतीय जनता पार्टी के सांसद अरुण साव ने छत्तीसगढ़ में पार्टी के कुछ नेताओं की कथित हत्या का विषय उठाया। उन्होंने दावा किया, ''पिछले एक महीने में भाजपा के चार पदाधिकारियों की हत्या की गई है। यह राजनीतिक षड्यंत्र है। राज्य की कांग्रेस सरकार लोगों को सुरक्षा देने में विफल रही है। हमारे लोगों की सुरक्षा वापस ले ली गई है। साव ने आग्रह किया, ''स्वतंत्र एजेंसी से निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। केंद्र सरकार लोगों की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार को निर्देशित करे। भाजपा के निशिकांत दुबे ने झारखंड के संथाल परगना इलाके में जनसंख्या असंतुलन का विषय उठाया और एनआरसी लागू करने की मांग की। उन्होंने दावा किया, ''बांग्लादेशी घुसपैठिए आदिवासी महिलाओं से शादी कर रहे हैं। यहां आदिवासी संस्कृति पर असर पड़ रहा है। दुबे ने कहा, ''संथाल के छह जिलों में एनआरसी लागू किया जाए।

कश्मीर में आम जनों की सुनवाई किए बिना उनके घरों पर चलाया जा रहा बुलडोजर : प्रियंका गांधी वाड्रा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को जम्मू—कश्मीर में चल रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि शांति और विश्वास के लिए आम लोगों की बात सुनना जरूरी है न कि "बुलडोजर के नीचे उनके अधिकारों को कुचलना"। कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी जैसे प्रमुख राजनीतिक दलों ने इस अभियान के खिलाफ अपनी चिंता व्यक्त की है और इसे तत्काल समाप्त करने की मांग की है। राजस्व विभाग के आयुक्त सचिव विजय कुमार बिधूड़ी के सभी उपायुक्तों को सात जनवरी से जम्मू—कश्मीर में सरकारी जमीन से 100 प्रतिशत अतिक्रमण हटाना सुनिश्चित करने के निर्देश के बाद अब तक जम्मू—कश्मीर में 10 लाख कनाल (एक कनाल= 605 वर्ग गज) से अधिक भूमि को पुनः कब्जे में लिया जा चुका है। हिंदी में किए गए एक ट्वीट में प्रियंका ने आरोप लगाया कि लद्दाख में अपने संवैधानिक अधिकारों की बहाली की मांग कर रहे लोगों के साथ ज्यादती की जा रही है। कांग्रेस महासचिव ने दावा किया, कश्मीर में आम जनों की सुनवाई किए बिना उनके घरों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, देश लोगों से बनता है। शांति व भरोसे के लिए आम लोगों की बात सुनना जरूरी है, न कि उनके अधिकारों को बुलडोजर तले कुचलना। उन्होंने जम्मू—कश्मीर में बेदखली अभियान पर मीडिया में आई खबरों के स्क्रीन शॉट भी ट्वीट के साथ संलग्न किए।

सम्पादकीय

नकल पर नकेल

देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने और नकल माफिया द्वारा नकल कराकर मोटी कमाई का खेल गाहे–बगाहे उजागर होता रहा है। पिछले दिनों इस कदाचार के खेल ने उत्तराखंड में भी पैर पसारे। पेपर लीक मामला उजागर होने पर कुछ गिरफ्तारियां भी हुई और वसूली गई रकम भी बरामद हुई। दिन–रात मेहनत करके अच्छी नौकरी के सपने देखने वाले युवा जब परीक्षा लीक के दंश से आहत हुए तो वे आंदोलन को बाध्य हुए। जिसके बाद उत्तराखंड सरकार हरकत में आई और भर्ती परीक्षा लीक व नकल पर रोक लगाने के लिये सख्त कानून बनाया गया है। अब राज्य में भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर परिणाम प्रकाशित करने तक में कदाचार करने वालों को अधिकतम आजीवन कारावास की सजा हो सकती है और उन पर दस करोड़ तक का जुर्माना हो सकता है। इतना ही नहीं, भ्रष्टाचार से अर्जित संपत्ति भी जब्त की जायेगी। हाल के दिनों में उत्तराखंड में पेपर लीक मामलों में नकल माफिया व विभाग की काली भेड़ों की संदिग्ध कारगुजारियां उजागर हुई हैं और कई गिरफ्तारियां भी हुई हैं। राज्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति के बाद बेरोजगार युवाओं ने देहरादून की सड़कों पर प्रदर्शन भी किये थे। जिसके बाद एक्शन में आई सरकार उत्तराखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में नकल की रोकथाम व निवारण के उपाय) नामक अध्यादेश लेकर आई जिसने राज्यपाल की अनुमति के बाद कानून का रूप ले लिया है। इस कानून को देश में सबसे कड़ा नकल रोकथाम कानून बताया जा रहा है।

निस्संदेह, प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों की बिक्री और मोटा पैसा लेकर नकल कराने के मामले सारे देश में लगातार सामने आते रहे हैं। निश्चित रूप से ऐसी घटनाएं प्रतियोगियों व बेरोजगार युवाओं का व्यवस्था से मोहभंग करती हैं। कालांतर ये विसंगतियां सामाजिक आक्रोश की वाहक बनती हैं। वहीं देश में बढ़ती बेरोजगारी और सरकारी नौकरियों के अवसरों में लगातार आ रही कमी, युवाओं में हताशा की वजह बन रही है। देश के नीति–नियंताओं को इस दिशा में गंभीरता से सोचना चाहिए। कहीं न कहीं हमारी शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियां भी इसके लिये जिम्मेदार हैं जो युवाओं को आत्मनिर्भर बनने, स्वरोजगार के लिये प्रेरित करने के बजाय सरकारी नौकरियों के सम्मोहन में बांधती हैं। दूसरे, सख्त कानून व कड़े दंड के अभाव में एक माफिया तंत्र पेपर लीक और सामूहिक नकल कराने में लिप्त रहता है। निश्चित रूप से दंड के कड़े प्रावधान किसी हद तक ऐसी प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने में सफल होंगे। लेकिन इस कानून के तहत कार्रवाई में पारदर्शिता भी जरूरी है ताकि बड़ी मछलियां भी जाल में फंसें। साथ ही ऐसी कार्रवाई से दागियों को बचाने के लिये किसी तरह के राजनीतिक हस्तक्षेप की गुंजाइश न रहे। अन्यथा धीरे–धीरे प्रतियोगी परीक्षाओं के तंत्र से बेरोजगारों व युवाओं का भरोसा ही उठ जायेगा। जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिये अच्छा संकेत नहीं कहा जा सकता। उत्तराखंड सरकार की पहल स्वागत योग्य है और अन्य राज्यों को भी इस दिशा में कदम उठाना चाहिए।

नए राज्यपालों की चुनौतियां

चुनावी साल में केंद्र सरकार ने बड़ा फेरबदल करते हुए महाराष्ट्र समेत 12 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में राज्यपालों को बदल दिया है। नगालैंड में जल्द ही चुनाव होने हैं, जहां ला. गणेशन को राज्यपाल बनाया गया है, श्री गणेशन अब तक मणिपुर के राज्यपाल थे। जबकि छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुया उइके को मणिपुर में राज्यपाल बनाकर भेजा गया है। सुश्री उइके और छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार के बीच नए आरक्षण विधेयक को लेकर विवाद चल रहा था। छत्तीसगढ़ विधानसभा में दिसंबर में आरक्षण संशोधन विधेयकों को पारित कर दिया गया, लेकिन राज्यपाल उइके ने उन पर हस्ताक्षर नहीं किए। पिछले साल दिसंबर से लेकर अब तक इस विवाद का कोई समाधान नहीं निकला है और अब राज्यपाल ही बदल दिए गए हैं। अब नए राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन इस मामले पर क्या रुख अख्तियार करते हैं, ये देखना होगा। श्री हरिचंदन अब तक आंध्रप्रदेश के राज्यपाल थे। महाराष्ट्र में भी राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच का टकराव काफी वक्त तक चर्चा में रहा, खासकर उद्धव ठाकरे के कार्यकाल में। महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे भगत सिंह कोश्यारी केवल 3 साल महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे, लेकिन इन तीन सालों में कई विवादों में वे घिरे। 2019 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद श्री कोश्यारी ने 23 नवंबर, 2019 को तड़के देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार को मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद की शपथ जिस तरह से दिलाई थी, उससे बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। हालांकि ये सरकार टिक ही नहीं पाई। अजीत पवार ने शरद पवार की बात मान कर भाजपा का साथ छोड़ा, इसके बाद शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के महाविकास अघाड़ी गठबंधन की सरकार बनी, जिसमें उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने। लेकिन श्री ठाकरे विधानसभा के किसी सदन के सदस्य नहीं थे, और उन्हें उच्च सदन का सदस्य नियुक्त करने में भगत सिंह कोश्यारी ने काफी वक्त लिया था। जिस पर कई सवाल उठे थे। इसके बाद श्री कोश्यारी और राज्य सरकार के बीच कई मामलों को लेकर टकराव चलता रहा। शिवसेना ने उन्हें बार–बार भाजपा का एजेंट बताया। लेकिन सबसे बड़ा विवाद तब खड़ा हुआ, जब शिवाजी महाराज को पुराने समय का प्रतीक श्री कोश्यारी ने बताया। इसके बाद महाराष्ट्र के कई राजनैतिक दलों ने उन्हें निशाने पर लिया। श्री कोश्यारी को बार–बार अपनी सफाई देनी पड़ी। भाजपा भी रक्षात्मक मुद्रा में आ गई। और बात बढ़ते–बढ़ते श्री कोश्यारी के इस्तीफे की मांग तक जा पहुंची। कुछ वक्त पूर्व श्री कोश्यारी ने खुद ही इस्तीफे की इच्छा जतलाई थी और अब आखिरकार वे पद से मुक्त हो ही गए। अब उनकी जगह झारखंड के राज्यपाल रहे रमेश बैस ने महाराष्ट्र के राज्यपाल का पद संभाला है। श्री बैस किस तरह शिंदे सरकार के साथ–साथ महाविकास अघाड़ी के घटक दलों को संभालते हैं और विवादों पर विराम लगाते हैं, ये देखना दिलचस्प होगा। नए राज्यपालों में एक और नाम पर चर्चा हो रही है, वो हैं जस्टिस एस अब्दुल नजीर। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस एस अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया है। दिलचस्प बात ये है कि जस्टिस नजीर पिछले महीने की 4 तारीख को सेवानिवृत्त हुए हैं और इसके एक महीने बाद ही उन्हें राज्यपाल नियुक्त किया गया है। रामजन्मभूमि, नोटबंदी, तीन तलाक जैसे चर्चित मामलों की सुनवाई में जस्टिस नजीर शामिल रहे हैं। राम जन्मभूमि और बाबरी मस्जिद के मुकदमे के दौरान वे सुनवाई करने वाली 5 जजों की बेंच में शामिल थे। वह पीठ के एकमात्र मुस्लिम न्यायाधीश थे। उनके अलावा तत्कालीन सीजेआई जस्टिस रंजन गोगोई, जस्टिस शरद अरविंद बोबड़े, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जो अभी सीजेआई हैं, और जस्टिस अशोक भूषण बेंच में शामिल थे। बेंच ने नवंबर 2019 में विवादित भूमि पर हिंदू पक्ष के दावे को मान्यता दी थी। जस्टिस नजीर ने भी राम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला सुनाया था। इसके अलावा सेवानिवृत्ति से ठीक पहले जस्टिस नजीर ने मोदी सरकार के नोटबंदी के फैसले को सही ठहराया था। नोटबंदी पर सुनवाई भी पांच जजों की संविधान पीठ ने की थी, जिस में जस्टिस वी रामसुब्रमण्यम, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस एएस बोपन्ना, जस्टिस अब्दुल नजीर, जस्टिस बीवी नागरत्ना शामिल थीं। जस्टिस नागरत्ना के अलावा चार जजों ने नोटबंदी को सही ठहराया था। इन महत्वपूर्ण मामलों के अलावा तीन तलाक की सुनवाई के लिए गठित बेंच में भी जस्टिस नजीर शामिल रहे। अगस्त 2017 में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच ने बहुमत के साथ तीन तलाक को असंवैधानिक करार दिया था। बेंच में अलग–अलग धर्मों के जजों को शामिल किया गया था। इसमें जस्टिस अब्दुल नजीर ने माना था कि तीन तलाक असंवैधानिक नहीं है। गौरतलब है कि जस्टिस अब्दुल नजीर फरवरी 2017 में कर्नाटक हाई कोर्ट से पदोन्नत होकर सुप्रीम कोर्ट में पहुंचे थे। जस्टिस अब्दुल नजीर ने कर्नाटक हाई कोर्ट में करीब 20 सालों तक बतौर अधिवक्ता प्रैक्टिस की थी। साल 2003 में उन्हें हाई कोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्तकिया गया था। पिछले महीने जस्टिस अब्दुल नजीर के विदाई समारोह में मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने उन्हें पीपल्स जज की उपाधि दी थी। तब जस्टिस नजीर ने अपने विदाई भाषण में संस्कृत का एक बहुत ही प्रसिद्ध श्लोक धर्मो रक्षति रक्षितरू उद्धृत किया था। उन्होंने श्लोक को समझाते हुए कहा था, इस दुनिया में सब कुछ धर्म पर आधारित है। धर्म उनका नाश कर देता है, जो इसका नाश करते हैं और धर्म उनकी रक्षा करता है, जो इसकी रक्षा करते हैं। बहरहाल, चुनाव से पहले राज्यपालों के ये फेरबदल सामान्य प्रक्रिया नहीं कहे जा सकते। खासकर तब, जबकि गैर भाजपा शासित राज्यों में सरकारों के साथ राज्यपालों के टकराव अब आम बात बनती जा रही है। संभवतरू भाजपा सरकार ने किसी चुनावी रणनीति के तहत यह फैसला लिया है। पूर्वोत्तर के तीन राज्यों के अलावा बाकी के 6 राज्यों में जब चुनाव होंगे, तब इन नयी नियुक्तियों का क्या लाभ मिलेगा, ये आने वाले वक्त में स्पष्ट हो जाएगा। फिलहाल उम्मीद की जा सकती है कि नए राज्यपाल संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करते हुए पुराने विवादों को खत्म करेंगे और नए विवादों की गुंजाइश नहीं रहने देंगे।**–डॉ. जगदीश गांधी**

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाते हैं स्वयं सहायता समूह

स्वयं सहायता समूह दृष्टिकोण ग्रामीण विकास के लिए एक सक्षम, सशक्त और नीचे से ऊपर का दृष्टिकोण है जिसने विकासशील देशों में कम आय वाले परिवारों को काफी आर्थिक और गैर–आर्थिक बाह्यता प्रदान की हैं। स्वयं सहायता समूह दृष्टिकोण को गरीबी का मुकाबला करने के लिए एक स्थायी उपकरण के रूप में सराहा जा रहा है, जो लाभ के लिए दृष्टिकोण का संयोजन है जो आत्मनिर्भर है, और गरीबी उन्मूलन पर ध्यान केंद्रित करता है जो कम आय वाले परिवारों को सशक्त बनाता है। यह तेजी से विकासशील देशों में सरकार के लिए विकासात्मक प्राथमिकताओं का प्रयोग करने का साधन बनता जा रहा है। एक स्वयं सहायता समूह एक गाँव–आधारित वित्तीय मध्यस्थता समिति है, जिसमें आम तौर पर 10–20 स्थानीय महिला या पुरुष शामिल होते हैं। जब औपचारिक वित्तीय प्रणाली जरूरतमंदों की मदद करने में विफल हो जाती है, तो छोटे समूह सूक्ष्म पैमाने पर पैसे इकट्ठा करने, बचाने और उधार देने के द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वेच्छा से काम करते हैं। स्वयं सहायता समूह को एशिया के अधिकांश विकासशील देशों में व्यापक मान्यता मिली है जहाँ उनकी उपस्थिति काफी व्यापक है। माइक्रो–फाइनेंस के माध्यम से, कई स्वयं सहायता समूह ने ग्रामीण क्षेत्रों में मूल्यवान संपत्ति और पूंजी बनाई है और आजीविका को बनाए रख रहे हैं। स्वयं सहायता समूह स्वीकार्य और सुविधाजनक शर्तों पर क्रेडिट तक बेहतर पहुंच प्रदान करते हैं। सदस्य तुलनात्मक रूप से आसान शर्तों पर आकस्मिक उत्पादक और गैर–उत्पादक उद्देश्यों के लिए ऋण प्राप्त करने में सक्षम हैं। इससे स्थानीय साहूकारों पर उनकी निर्भरता काफी हद तक कम हो गई है। एसएचजी–बैंक लिंकेज कार्यक्रम जैसी सरकारी पहल भी उनके वित्तीय समावेशन और औपचारिक संस्थानों से ऋण तक आसान पहुंच को बढ़ा रही है। स्वयं सहायता समूह के माध्यम से गरीबी उन्मूलन का दृष्टिकोण सबसे प्रभावी साधन है और विकेंद्रीकरण की नीति पर आधारित सुधारों की चल रही प्रक्रिया के अनुकूल है। स्वयं सहायता समूह ने गरीबों को माइक्रो फाइनेंस तक पहुंच प्रदान की है और इसके परिणामस्वरूप भूमि, पानी, ज्ञान, प्रौद्योगिकी और ऋण जैसे उत्पादक संसाधनों तक उनकी पहुंच में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। स्वयं सहायता समूह द्वारा सामूहिक खेती, मधुमक्खी पालन,

बागवानी, रेशम उत्पादन जैसी स्वरोजगार गतिविधियों को हाथ में लिया गया है। ऐसे कई सफल मामले हैं जहां स्वयं सहायता समूह की महिलाएं अपने गांव में शराब की दुकानों को बंद करने के लिए एक साथ आई हैं। आजीविका एक्सप्रेस जैसी योजनाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन बनाने में स्वयं सहायता समूहों की मदद की है। स्वयं सहायता समूह उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन करके विभिन्न कार्यों को करने के लिए महिलाओं के कौशल में सुधार करने में सक्षम हुए हैं। यह अनुमान लगाया गया है कि भारत की 25 मिलियन से अधिक ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों द्वारा लाभान्वित किया गया है। एक समूह के रूप में वे पैसे के प्रबंधन के साथ–साथ बहुत सी चीजें सीखने में एक–दूसरे की मदद कर सकते हैं क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों की अधिकांश महिलाओं को पैसे के प्रबंधन के बारे में बहुत कम जानकारी होती है। केरल में कुदुम्बश्री को बड़ी सफलता मिली है। कुदुम्बश्री कैफे स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उद्यमशीलता को बढ़ावा देने का एक अनुकरणीय उदाहरण है। वे उद्यमशीलता प्रशिक्षण, आजीविका प्रोत्साहन गतिविधि और सामुदायिक विकास कार्यक्रमों जैसी विभिन्न सेवाओं के लिए वितरण तंत्र के रूप में भी कार्य करते हैं। क्षेत्रीय असंतुलन, आदर्श औसत ऋण आकार से कम, स्वयं सहायता समूह संघों द्वारा निगरानी और प्रशिक्षण सहायता की कमी जैसे मुद्दे हैं जैसे– स्वयं सहायता समूह के ऋणों की गैर–निष्पादित आस्तियों को बैंकों के पास बढ़ाना। कई अध्ययनों में शासन, गुणवत्ता, पारदर्शिता और उनके कार्यों में अनियमितता से संबंधित मुद्दे भी पाए गए हैं। सरकारी कार्यक्रमों को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से कार्यान्वित किया जा सकता है। यह न केवल पारदर्शिता और दक्षता में सुधार करेगा बल्कि हमारे समाज को महात्मा गांधी द्वारा परिकल्पित स्वशासन के करीब लाएगा। स्वयं सहायता समूह को बढ़ावा देने वाले संस्थानों से लगातार और स्थायी संरचनात्मक सहायता विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों द्वारा बार–बार जागरूकता शिविर आयोजित किए जा सकते हैं। समूह को सामूहिक बनाने के लिए सभी सदस्यों की समय–समय पर क्षमता निर्माण, डिजिटल वित्तीय समावेशन पर सरकार के ध्यान के साथ, तकनीकी प्लेटफार्मों की ओर संक्रमण के लिए समूह के सदस्यों के प्रशिक्षण में निवेश करना इन समूहों के आजीविका पर पड़ने वाले प्रभाव को अधिकतम करने के लिए सही प्रकार की सहायता प्रदान करने में निवेश करना महत्वपूर्ण है। ग्रामीण भारत में विकास के इंजन के रूप में महिला उद्यमिता पर स्वयं सहायता समूह आंदोलन पर जोर जाति, धर्म या राजनीतिक संबद्धता के आधार पर सदस्यों के बीच कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। स्वयं सहायता समूह दृष्टिकोण ग्रामीण विकास के लिए एक सक्षम, सशक्त और नीचे से ऊपर का दृष्टिकोण है जिसने विकासशील देशों में कम आय वाले परिवारों को काफी आर्थिक और गैर–आर्थिक बाह्यता प्रदान की हैं। स्वयं सहायता समूह दृष्टिकोण को गरीबी का मुकाबला करने के लिए एक स्थायी उपकरण के रूप में सराहा जा रहा है, जो लाभ के लिए दृष्टिकोण का संयोजन है जो आत्मनिर्भर है, और गरीबी उन्मूलन पर ध्यान केंद्रित करता है जो कम आय वाले परिवारों को सशक्त बनाता है। यह तेजी से विकासशील देशों में सरकार के लिए विकासात्मक प्राथमिकताओं का प्रयोग करने का साधन बनता जा रहा है।**–डॉ सत्यवान सौरभ**

आज का राशिफल

मेष :– मधुरवाणी से संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। जीविका क्षेत्र में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पारिवारिक दायित्वों की समय से पूर्ति हेतु प्रयत्नशील होंगे। जीवन साथी के स्वास्य का ध्यान रखें।

बृषभ :– मन प्रसन्न व उत्साहित रहेगा। प्रियजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्य सार्थक होने का योग है। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में परिश्रम तीव्र होगा।

मिथुन :– आर्थिक क्षेत्र में आप कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। कोई व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकता है। प्रणय संबंधों को लेकर मन में चिंता होगी।

कर्क :– पूर्वाग्रहवश मन में किसी प्रकार की शंका न पालें। गलतियों को स्वीकारते हुए सगे–संबंधों में क्षमायाचक बने और शांत भाव से अच्छे कायरे द्वारा उसकी प्राश्चित भी करें।

सिंह :– पुरानी गलतियों से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारें। परिवार को सुव्यवस्थित चलाने में आपका विशेष योगदान होगा। किसी संबंध को लेकर पूरे परिवार के विरोध का सामना करना पड़ेगा।

कन्या :– मन ढ़ेर सारे पूर्वाग्रहों से प्रभावित होगा। पुरानी बातों कों भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें। मन पर नियंतण्ररखा कर्त्तव्यनिष्ठ बने। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव।

तुला :– आज सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

वृश्चिक :– आज परिजनों के सुख–दुख से प्रभावित मन परिवार को एकजुट रखने में केंद्रित होगा।

धनु :– निराशावादी विचारों को त्याग आशावादी बनें। नाजुक संबंधों के बीच भावनात्मक कष्टों को भूल वर्तमान को बेहतर बनायें। परिवार में खुशहाल माहौल रहेगा।

मकर :– मन सुंदर विचारो से सिंचित होगा। धार्मिक व पारंपरिक कायरें की ओर मन केंद्रित होगा। नये कायरें में संलग्नता से लाभ संभव। आलस्य का त्याग करें।

कुंभ :– अपने सुख–दुख को छोड़ परिजनों के सुख के बारे में सोचें। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मीन :– किसी अचल सम्पत्ति को लेने की योजना बन सकती है। कार्यक्षेत्र के किसी सहकर्मी से मतभेद संभव। धनागम की नयी युक्तियों पर मन केंद्रित होगा। जीवन साथी का भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

वैलेन्टाइन दिवस' को 'पारिवारिक एकता दिवस के रूप में मनायें

संसार को 'परिवार बसाने' एवं 'पारिवारिक एकता' का संदेश देने वाले महान संत वैलेन्टाइन के 'मश्त्यु दिवस' को आज जिस 'आधुनिक स्वरूप' में भारतीय समाज में स्वागत किया जा रहा है, उससे हमारी भारतीय संस्कशति एवं सभ्यता प्रभावित हो रही है। संत वैलेन्टाइन ने तो युवा सैनिकों को विवाह करके परिवार बसाने एवं पारिवारिक एकता की प्रेरणा दी थी। इस कारण अविवाहित युवा पीढ़ी का अपने प्रेम का इजहार करने का 'वैलेन्टाइन डे' से कोई लेना–देना ही नहीं है। आज वैलेन्टाइन डे के नाम पर समाज पर बढ़ती हुई अनैतिकता ने हमारे समक्ष काफी असमंजस्य तथा सामाजिक पतन की स्थिति पैदा कर रखी है। नैतिक मूल्यों की कमी के कारण आज लड़कियों तथा महिलाओं के विरूद्ध अपराध, छेड़छाड़, अश्लीलता, बलात्कार, हत्या आदि जैसी जघन्य घटनायें लगातार बढ़ती ही जा रहीं हैं। वैलेन्टाइन डे' का दिन हमें सन्देश देता है कि अविवाहित स्त्री–पुरूष के बीच किसी प्रकार का अनैतिक संबंध नहीं होना चाहिए। विवाह के पवित्र बन्धन को 'वैलेन्टाइन डे' पूरी तरह से स्वीकारता एवं मान्यता देता है। आज महान संत वैलेन्टाइन की मूल, पवित्र एवं शुद्ध भावना को भुला दिए जाने के कारण यह महान दिवस मात्र युवक–युवतियों के बीच रोमांस के विकृत स्वरूप में देखने को मिल रहा है। वैलेन्टाइन डे को मनाने के पीछे की जो कहानी प्रचलित है उसके अनुसार रोमन शासक क्लाडियस (द्वितीय) किसी भी तरह अपने राज्य का विस्तार करना चाहता था। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए वह संसार की सबसे ताकतवर सेना को बनाने के लिए जी–जान से जुटा था। राजा के मन में स्वार्थपूर्ण विचार आया कि विवाहित व्यक्ति अच्छे सैनिक नहीं बन सकते हैं। इस स्वार्थपूर्ण विचार के आधार पर राजा ने तुरन्त राजाज्ञा जारी करके अपने राज्य के सैनिकों के शादी करने पर पाबंदी लगा दी। महान संत वैलेन्टाइन रोम के एक चर्च के पादरी महान संत वैलेन्टाइन को सैनिकों के शादी करने पर पाबंदी लगाने संबंधी राजा का यह कानून ईश्वरीय इच्छा के विरुद्ध प्रतीत हुआ। कुछ समय बाद उन्होंने महसूस किया कि युवा सैनिक विवाह के अभाव में अपनी शारीरिक इच्छा की पूर्ति गलत ढंग से कर रहे हैं। सैनिकों को गलत रास्ते पर जाने से रोकने के लिए पादरी वैलेन्टाइन ने रात्रि में चर्च खोलकर सैनिकों को विवाह करने के लिए प्रेरित किया। सम्राट को जब यह पता चला तो उसने पादरी वैलेन्टाइन को गिरफ्तार कर माफी मांगने के लिए कहा अन्यथा राजाज्ञा का उल्लघंन करने के लिए मृत्यु दण्ड देने की धमकी दी। सम्राट की धमकी के आगे संत वैलेन्टाइन नहीं झुके और उन्होंने प्रभु निर्मित समाज को बचाने के लिए मश्त्यु दण्ड को स्वीकार कर लिया। संत वैलेन्टाइन की मृत्यु के बाद लोगों ने उनके त्याग एवं बलिदान को महसूस करते हुए प्रतिवर्ष 14 फरवरी को उनके 'शहीद दिवस' पर उनकी दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थनायें आयोजित करना प्रारम्भ कर दिया। इसलिए ऐसे महान संत के 'शहीद दिवस' पर खुशियां मनाकर उनकी भावनाओं का निरादर करना सही नहीं है। 'वैलेन्टाइन डे' मनाने को तेजी से प्रोत्साहित करने के पीछे छिपी एकमात्र भावना धन कमाना अर्थात 'वैलेन्टाइन डे' कार्डो की ब्रिकी का एक बड़ा बाजार विकसित करना, फुहड़ डान्सों तथा मंहगे होटलों में डिनर के आयोजनों की प्रवशत्तियों को बढ़ाकर अनैतिक ढंग से अधिक से अधिक लाभ कमाने वाली शक्तियां इसके पीछे सक्रिय हैं। विज्ञापन के आज के युग में वैलेन्टाइन बाजार को भुनाने का अच्छा साधन माना जाता है। मल्टीनेशनल कंपनियां अपने उत्पादों को बेचने के लिए अपना बाजार बढ़ाना चाहती हैं और इसके लिए उन्हें युवाओं से बेहतर ग्राहक कहीं नहीं मिल सकता। अतः 'वैलेन्टाइन डे' आधुनिक तरीकों से मनाने को प्रोत्साहित करना

भावी पीढ़ी एवं मानवता के प्रति अपराध है। अन्तिम विश्लेषण यह साफ संकेत देते हैं कि 'वैलेन्टाइन डे' के आधुनिक स्वरूप का भारतीय समाज एवं छात्रों में किसी प्रकार का स्वागत नहीं होना चाहिए क्योंकि यह मात्र सस्ती प्रेम भावनाओं को प्रदर्शित करने की छूट कम उम्र में छात्रों को देकर उनकी अनैतिक वृत्ति को बढ़ावा देता है। हम संत वैलेन्टाइन के इन विचारों का पूरी तरह से समर्थन करते हैं कि विवाह के बिना किसी स्त्री–पुरूष में अनैतिक संबंध होने से समाज में नैतिक मूल्यों में गिरावट आ जाएगी और समाज ही भ्रष्ट हो जाएगा। इस समस्या के समाधान का एक मात्र उपाय है, बच्चों को बचपन से ही भौतिक, सामाजिक, मानवीय तथा आध्यात्मिक सभी प्रकार की संतुलित शिक्षा देकर उनका सर्वांगीण विकास किया जाए। किसी भी बच्चे के लिए उसका परिवार, स्कूल तथा समाज ये तीन ऐसी पाठशालायें हैं जिनसे ही बालक अपने सम्पूर्ण जीवन को जीने की कला सीखता है। इसलिए यह जरूरी है कि परिवार, स्कूल तथा समाज को ईश्वरीय प्रकाश से प्रकाशित किया जाये। एक स्वच्छ व स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए हमारा कर्तव्य है कि हम विश्व के बच्चों की सुरक्षा व शांति के लिए आवाज उठायें और पूरे विश्व के बच्चों तक संत वैलेन्टाइन के सही विचारों को पहुँचायें जिससे प्रत्येक बालक के हृदय में ईश्वर के प्रति, अपने माता–पिता के प्रति, भाई–बहनों के प्रति और समाज के प्रति भी पवित्र प्रेम की भावना बनी रहे। सारे विश्व में गैंगरेप कांड, हिंसा जैसी बढ़ती घटनायें चारित्रिकता, नैतिकता, कानून व जीवन मूल्यों की शिक्षा के अभाव में राह भटक गये लोगों के कारण ही हो रहीं हैं। वास्तव में किसी भी मनुष्य के सम्पूर्ण जीवन को तीन प्रकार के चरित्र निर्धारित करते हैं। पहला प्रभु प्रदत्त चरित्र, दूसरा माता–पिता के माध्यम से प्राप्त वांशिक चरित्र तथा तीसरा परिवार, स्कूल तथा समाज से मिले वातावरण से विकसित या अर्जित चरित्र। इसमें सबसे अधिक महत्वपूर्ण चरित्र तीसरा अर्थात् 'अर्जित चरित्र' होता है। बालक को जिस प्रकार की शिक्षा परिवार, विद्यालय तथा समाज से मिलती है वैसा ही उसका चरित्र निर्मित हो जाता है। इसलिए आज संसार में बढ़ते अमानवीय कृत्य जैसे हत्या, बलात्कार, चोरी, भ्रष्टाचार, अन्याय आदि शैतानी सभ्यता इन्ही तीनों क्लासरूमों से मिल रही उद्देश्यविहीन शिक्षा के कारण ही है। आइये, वैलेन्टाइन डे पर हम सभी लोग यह प्रतिज्ञा ले कि हम अपने मस्तिष्क से भेदभाव हटाकर सारी मानवजाति से प्रेम करेंगे व समानता की भावना पैदा करेंगे। भारत की संस्कृति व सभ्यता ही आज की जरूरत है। प्रेम तो ईश्वर से होना चाहिए क्योंकि यही जीवन का शाश्वत सत्य है। अगर ईश्वर से हमारा तार कट गया तो कोई अन्य प्रेम हमें नहीं बचा पाएगा। इसलिए हमें वैलेन्टाइन डे पर भाई–बहन का प्रेम, दादा–दादी का प्रेम, माता–पिता का प्रेम, गुरूजनों का प्रेम भी शामिल करना चाहिए तभी हम इस त्योहार का सही मूल्यांकन कर सकेंगे। संत वैलेन्टाइन के प्रति सच्ची श्रद्धा यही होगी कि हम 14 फरवरी 'वैलेन्टाइन डे' को पवित्र भावना से 'पारिवारिक एकता दिवस' के रूप में मनायें और संसार के सभी बच्चों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को यह संदेश भेजें कि सभी लोग एक–दूसरे से विश्व कुटुम्ब की तरह समान रूप से प्रेम करें, आदर करें। पारिवारिक एकता ही विश्व एकता की आधारशिला है। पारिवारिक एकता के द्वारा ही भारतीय संस्कशति के आदर्श वसुधैव कुटुम्बकम् – जय जगत के महान विचार के अनुरूप एक वैश्विक लोकतांत्रिक व्यवस्था का गठन होगा। साथ ही दूसरे चरण में मानव सभ्यता का अंतिम लक्ष्य धरती पर आध्यात्मिक सभ्यता का साम्राज्य स्थापित होगा।

राष्ट्रपति की अध्यक्षता में बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ का दशम दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के नाम पर स्थापित विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। यह डॉ0 अम्बेडकर की ही देन है कि आज मैं आप सभी के सामने खड़ी हूँ। वे मेरे लिए ईश्वर के समान हैं।" यह बातें भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बतौर मुख्य अतिथि बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) के दसवें दीक्षांत समारोह में कही।राष्ट्रपति द्वारा कुल 10 विद्यार्थियों को पदक, 2 आर0 डी0 सोनकर अवार्ड तथा 3808 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गयी। वर्ष 2021 के लिए परास्नातक के पॉलिटिकल साइंस के विद्यार्थी दिलीप वर्मा और सत्र 2022 के लिए एम0 ए0 हिस्ट्री के अमरदीप कुमार बादल को आर0 डी0 सोनकर पुरस्कार दिया गया। सत्र 2021 के स्नातक के दो टॉपर्स– बीएससी फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी की आराध्या श्रीवास्तव (ओपन कैटेगरी) और बीएससी फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी की रिया गौतम को आरक्षित श्रेणी में गोल्ड मेडल दिया गया। सत्र 2022 में स्नातक के दो टॉपर्स – बी0 वॉक, फ्लोरीकल्चर एंड लैंडस्केप

गार्डेनिंग के आर्य अरुण कुमार को ओपन कैटेगरी तथा बीटेक कम्प्यूटर इंजीनियरिंग के सुरजीत कुमार को आरक्षित श्रेणी में मेडल प्रदान किया गया। सत्र 2021 के परास्नातक के दो टॉपर्स एमएससी साइबर सिक्योरिटी से संजय एम0 तरडे को ओपन कैटेगरी और एमएससी (एग्रीकल्चर) हॉर्टिकल्चर की सोनम मीणा को आरक्षित श्रेणी में मेडल प्रदान किया गया। सत्र 2022 के दो परास्नातक टॉपर्स में एमएससी (एग्रीकल्चर) हॉर्टिकल्चर की शैली को ओपन कैटेगरी और एमएससी (एग्रीकल्चर) हॉर्टिकल्चर की कुमारी दीक्षा संघ मित्रा को आरक्षित श्रेणी में मेडल प्रदान किया गया। इस वर्ष दो सत्र के मेधावियों को, सत्र 2021 और सत्र 2022 के मेधावियों को उपाधि प्रदान की गयी। उन्होंने मेडल और उपाधि प्राप्त करने वाले मेधावियों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन उनके लिए विशेष है आज के दिन के लिए विद्यार्थी कठिन परिश्रम करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि यह बेहद हर्ष का विषय है कि आज गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले मेधावियों में 60 प्रतिशत संख्या छात्राओं की है, मैं इन बेटियों की विशेष सराहना करती हूं। उन्होंने सभी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने लक्ष्य पर अडिग रहने तथा लक्ष्य प्राप्ति के लिए अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब का पूरा जीवन संघर्षों से भरा था मगर फिर भी कठिन परिश्रम और मूल्य आधारित जीवन शैली अपनाकर उन्होंने उच्च शिक्षा हासिल की और आज समाज उन्हें भारत के संविधान शिल्पी के रूप में याद करता है। उनके जीवन और सिद्धांतों से प्रेरणा लेते हुए, उनके दिखाए मार्ग पर चलकर विद्यार्थी कठिन से कठिन लक्ष्य साध, सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रपति ने अच्छी शिक्षा के लिए अच्छे शिक्षकों की आवश्यकता पर जोर देते हुए विद्यार्थियों से शिक्षक और प्रोफेसर बनने आग्रह किया, ताकि एक सशक्त देश का निर्माण हो सके। उन्होंने विवि के वातावरण और हरे भरे परिसर, नो मोटर वेहिकल डे जैसे प्रयासों की सराहना की। अपने संबोधन में उन्होंने ग्लोबल इन्वेस्टर मीट की चर्चा करते हुए शिक्षा को उद्योगों और व्यापार के वातावरण से जोड़ने का आग्रह किया और कहा कि विश्वविद्यालयों को अधिक से अधिक जनकल्याण के अनुसंधान करने पर जोर देना चाहिये। राष्ट्रपति जी ने उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करने की बात कही।

दुर्घटना बाइक सवार की मौत, एक घायल

बीकापुर–अयोध्या। अयोध्या प्रयागराज हाईवे मार्ग पर बीकापुर थाना क्षेत्र के राम नगर के निकट रविवार देर रात अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार हरिसरन मौर्या उम्र 33 पुत्र राम सहाय की घटना स्थल पर मौत हो गई, जबकि दूसरा बाइक पर सवार अभिषेक सिंह राणा भी चोटिल हो गए। दोनों माझा सोनौरा थाना बीकापुर के निवासी हैं।

दुर्घटना की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने दोनों लोगों को एम्बूलेंस से सीएचसी बीकापुर पहुंचाया गया जहां इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक ने हरिसरन मौर्या को देखते ही मृत घोषित कर दिया और घायल अभिषेक सिंह राणा का उपचार किया गया। बताया गया कि बाइक सवार दो युवक बीकापुर की तरफ से चौरे बाजार की तरफ जा रहे तभी तेज रफ्तार से आ रही अज्ञात वाहन की चपेट में आने पर बाइक पर सवार दोनों लोग बाइक समेत गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए, घायलों को सीएचसी बीकापुर पर एम्बुलेंस से इलाज के लिए लाया गया जहां इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक ने हरिहरन को मृत घोषित कर दिया दुसरे घायल अभिषेक सिंह राणा का प्रथामिक उपचार किया गया।

शादी समारोह से लौट रहे बाइक सवारों को डम्फर ने कुचला, तीन लोगों की मौत

प्रयाग दर्पण संवाददाता

सिधौली (सीतापुर)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत तेज रफ्तार डम्फर ने शादी समारोह से लौट रहे तीन लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे तीनों बाइक सवारों की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने मृतकों को सीएचसी सिधौली पहुंचाया तथा शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए कार्यवाही शुरू कर दी थी। युवकों की मौत की सूचना पाकर पूरे क्षेत्र में कोहराम मचा हुआ है।जानकारी के अनुसार रविवार की देर शाम आनंद गुप्ता पुत्र अजय कुमार गुप्ता अपने बाबा हनुमान प्रसाद 60 पुत्र दयाल निवासीगण मंझिया थाना रामपुर कला तथा जितेंद्र पाल उम्र 34 लभगभ पुत्र महेश्वर दयाल निवासी बख्तावरपुर थाना सिधौली के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने कस्बे के अलादादपुर स्थित मैरिज लॉन आया था। रविवार की रात लगभग 11 बजे के करीब वह शादी से वापस अपने घर की ओर लौट रहे थे तभी कस्बे के बिसवां मार्ग पर जयश्री हॉस्पिटल के निकट एक तेज रफ्तार अज्ञात डंफर ने बाइक सवार तीनों को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे तीनों की मौके पर ही

मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को सीएचसी सिधौली पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने भी सभी के मृत होने की पुष्टि कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्यवाही शुरू कर दी थी। सूचना मिलते ही सीओ सिधौली यादवेंद्र यादव, कोतवाली प्रभारी आरके सिंह, कस्बा चौकी इंचार्ज उमेश चौरसिया, उपनिरीक्षक राजेश राय, मणिकराम वर्मा, संजीव सिंह समेत भारी मात्रा में पुलिस बल सीएचसी पहुंच गया। इस दर्दनाक हादसे से परिजनों में कोहराम मच गया।

संक्षिप्त खबरे

बीमारी के चलते प्रधान का निधन

परसेण्डी (सीतापुर)। विकासखंड परसेंडी के अंतर्गत ग्राम पंचायत उदनापुर कला के ग्राम प्रधान मुकुल पांडे के पिता शिव कुमार पांडे समाजसेवी उम्र 65 वर्ष लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। निधन की सूचना पाकर क्षेत्र के हजारों लोग उनके निवास स्थान जमलापुर में जाकर शोक संवेदना व्यक्त की। संवेदना एवं अंतिम विदाई में सम्मिलित हुए परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हाल हो रहा था। क्षेत्र में सूचना पाकर शोक की लहर दौड़ गई। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में अनिल वर्मा विधायक लहरपुर, जासमीर अंसारी पूर्व सदस्य विधान परिषद उत्तर प्रदेश, मनोज त्रिवेदी जिला संयोजक मीडिया भाजपा, पप्पू सिंह पूर्व ब्लाक प्रमुख परसेंडी, हरीश वर्मा प्रधान कला बहादुरपुर, चंदा अली प्रधान ऊंचा खेड़ा सरैया ग्राम पंचायत काहेमारा, सुरेश प्रकाश शुक्ला, पूर्व प्रधान धमोरा रामनिवास पूर्व प्रधान उदयमलपुर, हिमांशु पांडे, हिमांशु कुमार पांडे, संदीप पांडे, सुशील कुमार पांडे काशीराम पांडे, मनीष पांडे, युवराज त्रिवेदी सहित हजारों लोग अंतिम विदाई में सम्मिलित होकर पुष्प अर्पित अर्पित किया।

लाइसेंसी राइफल से गोली मारकर एक व्यक्ति ने किया सुसाइड

हरदोई। अज्ञात कारणों के चलते एक व्यक्ति ने गोली मारकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार,थाना पाली के ग्राम अमिरता निवासी राहुल पुत्र नन्हे बाबू ने सोमवार की तड़के अपने घर में अपनी लाइसेंसी राइफल से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। घटना की सूचना मृतका की मां ने पुलिस को दी है। घटना के कारणों का पता लगाने के साथ ही पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना को लेकर तमाम कयास लगाए जा रहे हैं। अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है। राइफल को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मचा हुआ है घटना को लेकर गांव में तरह–तरह की चर्चाएं की जा रही हैं।

नाला नाली की सफाई ना होने के चलते घरों में घुस रहा है दूषित पानी

लालगंज,रायबरेली । नगर पंचायत लालगंज के वार्ड नंबर 3 कृष्णा नगर बाईपास इलाके के लोग नगर पंचायत की साफ सफाई के प्रति उदासीनता व ला परवाही से भारी आक्रोशित हैं।कृष्णा नगर वासी शीलू त्रिवेदी, गया प्रसाद यादव, सूर्यकुमार यादव ,रमेश कुमार मिश्रा, दीपक यादव आदि ने बताया कि नालियों की सफाई बहुत दिनों से नहीं हुई है जिसके चलते गंदा प्रदूषित पानी लोगों के घरों में भर रहा है ।नाली नाले कूड़े से बज बजा रहे हैं ।जबसे नगर पंचायत बोर्ड भंग हुआ है ।स्थिति बहुत ही दयनीय हो गई है। लालगंज अधिशासी अधिकारी शिकायत करने के बावजूद जनता की समस्याओं को दूर करने में कोई दिलचस्पी नहीं रखते हैं। व्यापार मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारी शीलू त्रिवेदी ने बताया कि अधिशासी अधिकारी अनुराग शुक्ला के पास 2–2 नगर पंचायतों का चार्ज है ।नगर पंचायत लालगंज कार्यालय पहुंचने पर उनके दर्शन तक नहीं होते हैं। शिकायत के बावजूद साफ सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है ।मच्छरों की बाढ़ आ गई है।इससे मलेरिया जनित बीमारियों भी बढ़ सकती हैं ।लोग अभी से बुखार से पीड़ित हो रहे हैं। उन्होंने मामले की शिकायत जिलाधिकारी से करने की बात कही है।

फांसी के फंदे से लटकता मिला युवक का शव

लालगंज,रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के चिलौला गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से फांसी में लटकता हुआ युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया।परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मिली जानकारी के अनुसार कृष्ण नंद दीक्षित (27) पुत्र रमेश दीक्षित रोज की तरह रविवार रात 10 बजे घर से खाना खा पीकर खेतों की रखवाली करने गया था। सुबह खेतों की तरफ निकलने वाले लोगों ने उसको फांसी पर लटके देखा तो उसके घरवालों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे उसके बड़े भाई पंकज दीक्षित ने मामले की सूचना पुलिस को दी और बताया कि उसके भाई को मार कर फांसी पर टांग दिया गया है। हालांकि प्रभारी निरीक्षक शिव शंकर सिंह का कहना है कि प्रथम दृष्टया फांसी का मामला लगता है। लेकिन मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा। मृतक अपने पिता की चार संतानों में सबसे छोटा था। घर में ही रहकर खेती किसानी करता था। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया है।

करंट की चपेट में आकर महिला की मौत

ऊंचाहार,रायबरेली । किसानों द्वारा छुट्टा मवेशियों से फसल को बचाने के लिए झटका मशीन लगवाई गयी है, जिसमें बैटरी द्वारा करंट संचालित होता है, खेतों में फसल की सिंचाई करते वक्त एक अधेड़ महिला करंट की चपेट में आ गई,जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।मामला कोतवाली क्षेत्र के गांव काशीपुर मजरे शहजादपुर का है, जहां सोमवार की दोपहर बाद गांव निवासी राजेंद्र कुमार की पत्नी राजपति 50 वर्ष खेतों में गेंहू की फसल की सिंचाई कर रही थी, तभी पड़ोसी के खेत की रखवाली के लिए लगी झटका मशीन में संचालित हो रहे करंट की चपेट में आकर महिला गम्भीर रूप से झुलस गई,जानकारी होने पर परिजन जब तक मौके पर पहुँचते तब तक महिला की मौत हो चुकी थी, सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।कोतवाल बालेन्दु गौतम ने बताया कि परिजनों से बातचीत कर शव का पोस्टमार्टम कराया जायेगा।

सिपाही को पीटा, कोतवाली भागकर बचाई जान बाइक छू जाने से हुआ विवाद

उन्नाव। सदर कोतवाली के सामने अपने कमरे पर खाना खाने जाते समय सिपाही का गाड़ी का पहिया छू जाने को लेकर वहीं रहने वाले युवक से विवाद हो गया। युवक के पूरे परिवार ने मिल कर सिपाही को जमकर मारा पीटा। किसी तरह कोतवाली भाग कर सिपाही ने अपनी जान बचाई।

राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र तथा महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय महिला दिवस तथा वर्ल्ड एनीमिया जागरूकता दिवस के अवसर पर स्वास्थ परीक्षण कैंप तथा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के अहिल्याबाई होल्कर छात्रावास में स्वास्थ्य परीक्षण कैंप में 140 छात्राओं, महिला शिक्षिकाओं तथा कर्मचारियों का हीमोग्लोबिन स्तर जांचा गया। इसमें सभी का औसत हीमोग्लोबिन स्तर 9 पाया गया। जो कि माइल्ड एनीमिया की कैटेगरी में है। कार्यक्रम में दौरान अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए छात्राओं, शिक्षिकाओं व कर्मचारियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि हमारे देश में महिला सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण सरोजिनी नायडू रही है। इन्हीं के जन्मदिवस को आज सभी

राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मना रहे हैं। श्रीमती नायडू ने महिलाओं के अधिकारों तथा उनके उत्थान के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। जो आज भी भारतीय जनमानस के लिए उत्कृष्ट उदाहरण है। कुलपति ने बताया कि सरोजिनी नायडू बचपन से ही अद्भुत प्रतिभाओं की धनी रही। उन्होंने 12 साल की उम्र में ही कविताएं लिखना प्रारम्भ कर दिया था। उन्होंने देश के स्वतंत्रता संग्राम में पुरुष क्रांतिकारियों के साथ कदम मिलाकर संघर्ष किया। कुलपति प्रो0 गोयल ने बताया कि इसी कारण नायडू को भारत की कोकिला भी कहां जाता है। उनकों स्वतंत्र भारत की पहली महिला राज्यपाल के रूप में भी कार्य करते हुए भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कुलपति ने कहा कि आज के दिन सभी छात्राओं एवं महिलाओं से यह कहना चाहती हूं कि स्वयं पर भरोसा रखते हुए अपने कार्य दायित्वों का निर्वहन करें और लक्ष्य को निर्धारित करते हुए सकारात्मक सोच के साथ कार्य करें।

मारपीट के विवाद में संदिग्ध परिस्थितियों में छत से गिरे युवक की मौत

कानपुर। चमनगंज थाना क्षेत्र में मारपीट के विवाद में संदिग्ध परिस्थितियों में छत से गिरे युवक की मौत हो गई। स्वजन ने मोहल्ले में रहने वाले युवक पर हत्या का आरोप लगाया है। चमनगंज के श्रीनगर मोहल्ले में रहने वाले श्याम जायसवाल (45) जाजमऊ में एक टेनरी में नौकरी करते थे। परिवार में पत्नी पिंकी और पांच माह का बेटा है।स्वजन ने बताया कि रविवार रात श्याम दोस्तों के साथ पार्टी करने की बात कहकर निकला था। इस दौरान मोहल्ले में रहने वाले सिद्धार्थ नाम के युवक से कुछ विवाद हो गया तो लोगों ने बीच–बचाव कराकर मामला शांत करा दिया। आरोप है कि इस दौरान देर रात सिद्धार्थ दोबारा नशे की हालत में घर आया और श्याम के साथ मारपीट करने लगा। इस दौरान श्याम पहली मंजिल से नीचे गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए।

चोरों की आहट पर गांव में हुई फायरिंग

हरदोई। बीतीरात गांव में चोरों की आने की खबर से हड़कंप मच गया।आनन–फानन लोग अपनी छतों पर चढ़ गए तथा शोर–शराबा करने लगे।इसी बीच लोगों ने फायरिंग करना शुरू कर दिया। फायरिंग से एक व्यक्ति के गोली लग गई जिसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक व भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अग्रिम कार्रवाई में जुटी है।जिले के थाना शाहाबाद के एगवां में रविवार की रात ग्रामीणों को चोरों की आहट लगी। इस पर वह शोर–शराबा करने लगे देखते ही देखते पूरे गांव के लोग घरों की छतों पर पहुंच गए। कुछ लोग घरों के बाहर पहुंचकर शोर–शराबा करने लगे। इस बीच कुछ ग्रामीणों ने फायरिंग करना शुरू कर दिया।फायरिंग से गांव के ही शब्बीर के कंधे पर गोली लग गई । जिससे उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना पुलिस व एंबुलेंस को दी गई।खबर मिलते ही पुलिस अधीक्षक सहित भारी बल मौके पर पहुंच गया।

पुलिस गिरफ्त में टप्पेबाजी करने वाला युवक

मिल्कीपुर–अयोध्या। ज्वेलर्स एवं बर्तन भंडार की दुकान पर बीते 10 फरवरी को हुई टप्पेबाजी की घटना का पुलिस ने किया खुलासा। कुमारगंज थाना क्षेत्र के खंडासा मोड़ स्थित सोनी ज्वेलर्स एवं बरतन भंडार पर बीते 10 फरवरी शुक्रवार को ग्राहक बनकर आए युवक ने सोने की लॉकेट दिखाने को कहा था। तथा उसने पीतल की कटोरी चम्मच एवं लोटे की खरीदारी की थी, फिर दोबारा एक बड़ी पीतल की प्लेट मांगी इसी बीच अभियुक्त ने काउंटर के गल्ले से डिब्बे में रखे आभूषण को पार कर दिया, पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए घटना की छानबीन शुरू कर दी थी,प्रभारी निरीक्षक थाना कुमारगंज शिव बालक के नेतृत्व में उपनिरीक्षक शंकर यादव, पुलिस चौकी प्रभारी एनडीए संतोष कुमार मौर्या, चौकी प्रभारी चिलबिली उमेश कुमार वर्मा, कांस्टेबल अजय कुमार अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ अभियान चला रहे थे। उसी बीच सूचना मिली की सोनी ज्वेलर्स की दुकान से टप्पेबाजी करने वाला अभियुक्त थाना क्षेत्र के रमेश नगर बड़ी नहर पर अपनी चार पहिया वाहन ब्रेजा गाड़ी यूपी 42बी एफ 6923 के साथ मौजूद है,जानकारी मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को पकड़ कर थाने ले आयी। पुलिस को तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 146 ग्राम पीली धातु, एक विवो मोबाइल, एक गले का चौन पीली धातु व 360 रूपए नगद बरामद हुआ। पुलिस क्षेत्राधिकारी मिल्कीपुर आशुतोष मिश्रा ने बताया कि टप्पेबाजी करने वाले अभियुक्त अमित पाठक पुत्र अंबिका पाठक निवासी नेतवारी चतुरपुर थाना तारुन जनपद अयोध्या के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2021 में थाना तारुन में भी गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

कुल्हाड़ी से हमला कर किशोर की हत्या,छानबीन में जुटी पुलिस

राही,रायबरेली। रात घने अंधेरे का फायदा उठाते हुए घर के अंदर घुस कर किशोर की निर्मम हत्या कर आरोपी फरार हो गए । किशोर की हत्या के मामले में सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच पड़ताल में जुटी पुलिस ने मामले का खुलासा करने में जुट गई। सूचना पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जरूरी सुराग एकत्रित किया।भदोखर थाना क्षेत्र के गोस्वापुर गांव में सोमवार की बीती रात घर के अंदर घुस कर एक किशोर की निर्मम हत्या कर दी गई।प्रियांशु 13 वर्ष पुत्र इंद्रपाल व बड़ी बहन उमा दोनों फूस की कच्ची कोठरी में सो रहे थे। आधी रात बीत जाने के बाद अचानक घर के बाहर बहन की चीख–पुकार सुनकर परिजन एकत्रित हो गए। परिजनों ने बहन की आपबीती सुनते ही कमरे के अंदर देखा तो जमीन पर खून से लथपथ किशोर का शव पड़ा था।

किशोर का शव देखते ही परिजनों में चीख–पुकार मच गई। मृतक किशोर का पिता मजदूरी करने दूसरे शहर गया हुआ है। गांव से लगभग तीन सौ मीटर की दूरी पर बसे इंद्रपाल के परिवार की चीख–पुकार सुनकर ग्रामीणों ने घटनास्थल की तरफ दौड़ लगा दिया । कुछ ही देर में देखते ही देखते ग्रामीणों का भारी जमावड़ा लग गया । मां राजेश्वरी ने बताया कि बेटा बेटी के साथ रविवार को भीलमपुर ऊंचाहार मायके गई थी। देर शाम अपने चाचा के साथ दोनों बच्चे वापस घर आ गए थे। रात के अंधेरे में फूस की कोठरी में कातिल अंदर घुस गए। बेटी उमा को बेहोश कर किशोर की धारदार हथियार से हत्या कर दिया । हत्या कर आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत बनाने के संकल्प को योगी सरकार कर रही साकार-एके शर्मा

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत बनाने के संकल्प एवं विजन को साकार करने के लिए योगी सरकार लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश के शहरों की नियमित साफ–सफाई के लिए विगत 10 महीनों से जब से मैं मंत्री बना सुबह 05:00 बजे से 08:00 बजे तक निरन्तर साफ–सफाई का कार्य चल रहा है। शहरों को साफ एवं स्वच्छ बनाने के लिए कई अभियान चलाये गये। अभी भी शहरी व्यवस्था को वैश्विक स्तर का बनाने के लिए ग्लोबल सिटीज अभियान सभी नगरां में चलाया जा रहा है। इसके पहले कूड़ा हटाने के लिए अभियान चलाया गया, जिसमें सभी शहरों व कस्बों से 04 हजार से अधिक परम्परागत कूड़ा के ढेर को हटाया गया। नगर सुशोभन अभियान से नगरों के सौन्दर्यीकरण एवं व्यवस्थापन का कार्य किया गया। इस व्यवस्थापन से प्रदेश के नागरिक बहुत खुश हुए। नगर विकास मंत्रीए0के0 शर्मा ने बताया कि प्रदेश में अभी 02 महत्वपूर्ण समारोह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट लखनऊ में आयोजित हुई और जी–20 की पहली बैठक आगरा में हुई। इसमें प्रतिभाग लेने वाले देश–विदेश के राजनयिक, शासकीय प्रतिनिधिमण्डल, निवेशक, उद्योगपति एवं व्यापारियों ने लखनऊ एवं आगरा शहर की साफ–सफाई एवं व्यवस्थापन की प्रशंसा की है। प्रदेश के आगरा में जी–20 की पहली बैठक में आये डेलीगेशन ने आगरा की साफ–सफाई एवं बेहतर व्यवस्थापन की भूरि–भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि भारत की वास्तविकता में अकाल्पनिक बदलाव आयेगा। उन्होंने सम्पूर्ण शहर की सफाई व्यवस्था की प्रशंसा की और कहा कि यहां की व्यवस्था वैश्विक स्तर के शहरों के समान ही है। ए0के0 शर्मा ने बताया कि यह बात सचिव भारत सरकार श्री इन्डीवर पाण्डेय ने मुझे स्वयं ट्वीट कर कही कि डेलीगेशन ने प्रशंसा करते हुए बताया कि विकसित राष्ट्रों में ऐतिहासिक स्थलों स्मारकों का जैसे विकास किया जाता है इसी प्रकार की व्यवस्था यहां आगरा शहर में दिखती है। इसके लिए सचिव भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश सरकार तथा आगरा प्रशासन के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की है। उन्होंने मुझे और मेरी टीम को हार्दिक धन्यवाद दिया कि आपके प्रयासों से प्रधानमंत्री जी का स्वच्छ भारत का संकल्प साकार हो रहा है और भारत के प्रति पुरानी वैश्विक धारणा बदली। भारत के साथ ही उत्तर प्रदेश और आगरा शहर की विश्व स्तर पर छवि भी बदली है इससे पूरे देश को गर्व हुआ है। उन्होंने इस व्यवस्था को आगे भी बनाये रखने का सुझाव दिया है। नगर विकास मंत्री ने शहरों को साफ–सुथरा एवं व्यवस्थित करने में लगे सफाईमित्रों के प्रयासों की प्रशंसा की और उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी।

उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से उत्तर प्रदेश के विकास को लगे नए पंख-केशव प्रसाद मौर्य

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राजधानी लखनऊ में हुये रु0 इंवेस्टर समिट–23 का आयोजन अतिसफल रहा। द्रौपदी मुर्मू के हाथों से हुये तीन दिवसीय कार्यक्रम के समापन से पहले गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्रियों का बहुमूल्य मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त हुआ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा समिट के सफल आयोजन से दुनिया भर के दिग्गज निवेशक नये उत्तर प्रदेश में निवेश करने को आतुर हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इससे अपना प्रदेश तरक्की के पथ पर और तेज गति से आगे बढ़ेगा और लाखों युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेंगे।. उप मुख्यमंत्री ने सभी पार्टनर देशों, अंतरराष्ट्रीय निवेशकों,

राष्ट्रीय दिग्गज पूंजीपतियों, प्रादेशिक इंवेस्टर्स का हमारी अपील पर आयोजन में शामिल होने और उत्तर प्रदेश में निवेश करने के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया है। कहा है कि इंवेस्टर–23 के आयोजन से उत्तर प्रदेश के विकास की नये सिरे से विकास की मजबूत नींव पड़ी है।उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से उत्तर प्रदेश के विकास को नए पंख लगे हैं।उत्तर प्रदेश विकास के क्षेत्र में नई उड़ान भरेगा और विकास का सिरमौर बनेगा। निवेश ,औद्योगिक व व्यापारिक गतिविधियों से विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। कहा कि जिस प्रकार से हमारी उम्मीद से कहीं ज्यादा और कई गुना अधिक एम ओ यू हुये हैं, उससे हम विश्वासपूर्वक कह सकते हैं कि प्रदेश को वन ट्रिलियन डालर से कहीं अधिक की इकोनामी बनाने में हम हर हाल में कामयाब होगे। समिट की तैयारियों के समय जब निवेश प्रस्तावों का लक्ष्य दस लाख करोड़ निर्धारित किया गया था सरकार ने बेहतर तरीके से काम किया, उसी का नतीजा रहा कि आंकड़ा लक्ष्य से तीन गुना से अधिक तक जा पहुंचा। उद्यमियों में विश्वास पैदा हुआ कि यूपी अब बदल चुका है और यहां उनके हितों को सर्वोपरि रखा जाएगा। इसके पूरी टीम की तरह काम किया गया और सभी पहलुओं को प्रस्तुत किया गया। मंत्रियों के समूहों ने 16 देशों के 21 शहरों में रोड शो किए, इसके साथ ही देश के दस बड़े शहरों में भी जाकर उद्यमियों से बातचीत किया गया निवेश की बड़ी जमीन तैयार हुई। कहा कि निवेश फ्रेंडली गतिविधियों और विभिन्न देशों व देश के विभिन्न प्रांतों के बीच इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से मैत्री भाव में बेहद बढ़ोतरी हुई है और राष्ट्रवाद तथा आपसी सामंजस्य का अदभुत संगम यह समिट साबित हुई है।

तीन वर्षीय बच्ची के साथ हैवानियत की हदें पार

हरदोई। जिले के मल्लावां इलाके में एक मासूम बच्ची के साथ हैवानियत का मामला सामने आया है। बीती रात बच्ची के माता पिता खेत पर फसल बचाने गए थे। रात में मासूम बच्ची अपनी बड़ी बहन के साथ सो रही थी। इसी दौरान पड़ोसी ने घर में घुसकर उसके साथ हैवानियत को अंजाम दिया। जब उसने शोर मचाया तो उसकी बहन उठ गई। इस पर आरोपी दीवार फांद कर भाग गया। मां की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है, और बच्ची को मेडिकल के लिए महिला अस्पताल भेज दिया है। आरोपी को गोली मारकर गिरफ्तार करने की सूचना मिली है।

मिली जानकारी के अनुसार, मल्लावां थाना क्षेत्र में एक 3 वर्षीय मासूम के साथ हैवानियत की हदें पार की गई है। युवक दीवार फांद कर घर में घुसा और मासूम के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है। बच्ची की मां ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह अपने पति के साथ गेहूं की फसल बचाने गई थी। इस दौरान उसकी 3 और 6 वर्षीय दो बेटियां घर में सो रही थी। इसी बीच रात में गांव का ही मुकद्दर घर में घुस गया। जिसने उसकी 3 वर्षीय छोटी बच्ची के साथ सारी हैवानियत की हदें पार कर दी। उसने दुष्कर्म किया और उसके गाल को काट लिया। इससे मासूम कराहने लगी उसकी आवाज सुनकर बड़ी बहन उठ गई। जिसे देखकर आरोपी मुकद्दर दीवार फांद कर भाग गया। फिलहाल पुलिस ने मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और मासूम बच्ची को मेडिकल के लिए भेज दिया है। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। फिलहाल पुलिस दरिंदगी को अंजाम देने वाले आरोपी मुकद्दर की तलाश में है। सूचना मिली है कि पुलिस ने युवक को गोली मारकर पकड़ लिया है।

भारत की प्राचीन वैभव को बढ़ा रही है हमारी सरकार: गणेश केसरवानी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। भाजपा गंगा पट्टी मंडल के द्वारा आयोजित मंडल कार्यसमिति की बैठक में भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सिर्फ भारतीय जनता पार्टी का ही नहीं बल्कि भारत के भविष्य को निखारने के लिए पूरे समर्पित भाव से कार्य करता है। कार्यसमिति भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का भविष्य का निर्माण करता है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी, एवं प्रदेश की योगी सरकार में भारत की प्राचीन वैभव बढ़ रहा है। जिससे भारत की पहचान होती है और देश और प्रदेश के विकास के लिए गरीबों की खुशहाली के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा कि कोई नैतिक विचारधारा नहीं है। वह सिर्फ सत्ता प्राप्त करने के लिए कार्य करती है और अपने परिवार का विकास करती है जिसे जनता ने ठुकरा दिया।

इस अवसर पर डाटा प्रबंधन, एवं मोटे अनाज पर राम नरेश पटेल एवं बजट पर चर्चा रॉबिन साहू, महिला

सशक्तिकरण पर छत्रपति सिंह पटेल ने की। कार्यसमिति की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष दीनानाथ कुशवाहा ने किया संचालन पिंटू कुशवाहा ने किया।

इस अवसर पर राजेश सोनकर, राजेश केसरवानी, रामानंद पटेल, राम प्रसाद साहू ,राजेंद्र विश्वकर्मा, बलवंतराव, हिमांशु, सुमन पटेल, काजल पटेल, रामनरेश सरोज, प्रदीप कुशवाहा, अंकुर पटेल, मोहन साहू ,प्रशांत सिंह पटेल, अमित कुमार यादव, राजू पटेल, रामनरेश सोनकर, अशोक पटेल, ज्ञान दिवाकर, सुमन पटेल, संजय सिंह ,भगवान दास, शांति भूषण, रामजस, मुंशी लाल पटेल ,सुभाष कुशवाहा और मंडल कार्यसमिति सभी सदस्य उपस्थित रहे।

ट्रक चालक ने नशे में कई किलोमीटर तक कार को घसीटा

मेरठ। मेरठ के परतापुर में सीओ ब्रह्मपुरी कार्यालय के सामने नशे में ट्रक चालक एक कार को एक किलोमीटर तक धकेलते हुए ले गया। सूचना पर परतापुर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद अधिकारी भी हैरान रह गए। परतापुर पुलिस को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।शॉप्रिक्स मॉल के पास स्थित सीओ ब्रह्मपुरी कार्यालय के सामने से एक ट्रक चालक कार को ध ाकेलता हुआ एक किलोमीटर दूर संजय वन के आगे तक ले गया। गनीमत रही कि कार में कोई सवार नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को देखकर सभी हैरान रह गए।

परतापुर इंस्पेक्टर रामफल ने बताया कि आरोपी अलीपुर मोरना हस्तिनापुर निवासी अमित है। इसके खिलाफ तहरीर नहीं मिली है। यदि कार चालक तहरीर नहीं देता है तो पुलिस अपनी तरफ से मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई करेगी।

प्रदेश के 147 केंद्रों पर 65 हजार छात्र देंगे परीक्षा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र दिसंबर 2022 की परीक्षाएं 14 फरवरी से प्रारंभ हो रही हैं। उक्त जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि परीक्षाएं 31 मार्च को समाप्त होंगी।

प्रोफेसर सिंह ने बताया कि प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर, आजमगढ़, झांसी, कानपुर, नोएडा, मेरठ, आगरा तथा अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र से सम्बद्ध अध्ययन केंद्रों से नामांकित 65000 शिक्षार्थी प्रदेश में लगभग 147 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा देंगे। परीक्षाएं दो पालियों में प्रातः 10:00 से 1:00 बजे तक तथा दोपहर 2:00 से 5:00 बजे तक आयोजित की जाएंगी। जेल बंदी परीक्षार्थी प्रदेश के 8 केन्द्रीय कारागारों प्रयागराज, आगरा, आजमगढ़, गाजियाबाद, अयोध्या, बरेली, मेरठ एवं फतेहपुर में बनाए गए परीक्षा केन्द्रों में ही परीक्षा देंगे। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि परीक्षा सामान्य प्रश्नपत्रों की तरह निबंधात्मक शैली में आयोजित की जाएगी। जिसकी समयावधि 3 घंटे की रहेगी। जबकि ओएमआर आधारित

प्रश्नपत्रों की परीक्षा वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय होगी। जिसकी समयावधि 2 घंटे निध ारित की गई हैं। परीक्षा से सम्बन्धित समय सारणी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। इस बार की परीक्षा में शामिल होने वाले सभी शिक्षार्थियों के प्रवेश पत्र ऑनलाइन कर दिए गए हैं। शिक्षार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार, गैलरी सहित प्रत्येक परीक्षा कक्ष में सीसीटीवी कैमरा लगवाए जा रहे हैं। पारदर्शिता पूर्ण नकल विहिन परीक्षा संपन्न कराने के लिए उड़ाका दल एवं पर्यवेक्षकों की टीम का गठन कर लिया गया है।

परीक्षा के सकुशल संपादन के लिए विश्वविद्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है जहां परीक्षा केंद्रों के प्राचार्य, केंद्राध्यक्ष तथा केन्द्र समन्वयक परीक्षा समय में कंट्रोल रूम से संपर्क बनाए रखेंगे। इसके साथ ही क्षेत्रीय केंद्र वार समस्या का समाधान करने के लिए परीक्षा विभाग के कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है।

संक्षिप्त खबरे

खेल अनुशासन और एकता का पाठ भी पढ़ाता है: प्रोफेसर हर्ष

प्रयागराज। चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय में आजअंतः महाविद्यालयीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन का उद्घाटन हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि प्रोफेसर हर्ष कुमार निदेशक क्रीड़ा परिषद , इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज रहे। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि खेल मानसिक और शारीरिक व्यायाम के साथ–साथ एकता और अनुशासन का पाठ भी पढ़ाता है। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने किया और संचालन डॉक्टर राम चिरंजीव ने किया। उक्त अवसर पर सी एम पी महाविद्यालय के क्रीड़ा परिषद के सह संयोजक अमित सिंह एवं डॉक्टर अखिलेश डॉ राजेश यादव, डॉक्टर मुनींद्र शुक्ला, उप प्राचार्य डॉ अनीता सिन्हा, डीन डॉ अर्चना श्रीवास्तव, प्रॉक्टर डॉक्टर अर्चना त्रिपाठी तथा महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षणेतर कर्मचारी मौजूद रहे।

पीआरवी के सिपाहियों पर पैसा वसूली का आरोप

प्रयागराज। घूरपुर क्षेत्र में पीआरबी के सिपाहियों द्वारा पीड़ित को कार्रवाई का भरोसा दिलाते हुए 700 वसूलने का आरोप लगाया गया है। भुक्तभोगी ने न्याय की गुहार लगाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लालापुर थाना क्षेत्र के पचवर गांव निवासी अमीन अली की चचेरी बहन इरादतगंज में ब्याही हुई है। तीन दिन पूर्व उसने अपने ससुराल से फोन किया कि उसके ससुराल के लोग मारपीट कर प्रताड़ित कर रहे हैं। जानकारी मिलते ही अमीन अली ने 112 नंबर पुलिस से सहयोग मांगा। आरोप है कि पी आर बी 112 में तैनात सिपाहियों ने आमीन से रास्ते में मिलने को बुलाया और भातीजी के ससुराल में जाकर कार्रवाई करने के लिए 1000 की मांग की। भुक्तभोगी के अनुसार उस समय उसके पास मात्र 700 थे, जिसे ही लेकर पुलिस वालों ने कार्रवाई शुरू की अमीन अली ने वीडियो जारी का उच्च अधिकारियों से न्याय की गुहार की है।

कब्जे से लूट का चौन, दो अवैध तमंचा व कारतूस बरामद

मऊ। सोमवार को थाना सरायलखंसी पुलिस द्वारा तीन शातिर लूटेरो को गिरफ्तार किया गया। प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए सीओ सिटी धनंजय मिश्रा ने बताया कि देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान बकवल पानी टंकी मोड़ के पास से तीन शातिर लूटेरो को गिरफ्तार किया गया। प्रिंस गुप्ता पुत्र बृजेश गुप्ता निवासी केलही थाना मरदह जनपद गाजीपुर, प्रद्युम्न चौहान पुत्र राजाराम चौहान निवासी करदह थाना मरदह जनपद गाजीपुर, शिवम वर्मा उर्फ रजत वर्मा पुत्र अनिल कुमार निवासी मरदह थाना मरदह जनपद गाजीपुर के कब्जे से 10 फरवरी को थाना सरायलखंसी अन्तर्गत चांदमारी इमिलिया के पास से महिला से लूटी गयी चौन (पीली धातु), एक अवैध तमंचा व एक अदद जिंदा कारतूस 315 बोर तथा एक अवैध तमंचा व एक जिंदा कारतूस 12 बोर बरामद कर गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में उक्त अभियुक्तों के विरूद्ध पूर्व में पंजीकृत अभियोग मु0अ0सं0 37/23 धारा 392 भादवि0 में धारा 411,413 भादवि0 की बढोत्तरी कर तथा बरामद अवैध तमंचा व कारतूस के सम्बन्ध में अलग से आयुद्ध अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तगण का चालान न्यायालय किया गया।

यातायात प्रभारी ने सीज किये चार ट्रक

चित्रकूट । पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निर्देश पर यातायात प्रभारी मनोज कुमार ने टीम के साथ जांच दौरान चार ट्रकों को सीज किया है।सोमवार को एसपी के निर्देश पर सीओ यातायात राजकमल की देखरेख में शहर की यातायात व्यवस्था चौकस रखने की गरज से जारी अभियान के क्रम में यातायात प्रभारी मनोज कुमार ने टीम के साथ विभिन्न चौराहों में वाहनों की जांच का अभियान चलाया। अभियान के तहत बिना नम्बर प्लेट, अवैध खनन ढुलान करने वाले ट्रकों की जांच की गई। जांच दौरान बिना कागजात, ओवरलोड में चार ट्रकों को सीज किया।उन्होंने अवैध खनिज परिवहन की बाबत खनिज अधिकारी को आख्या भेजी है। ओवरलोड की बाबत एआरटीओ को आख्या भेजी गई है।

समाजसेवी को बगरेही लेखपाल ने दी धमकी

चित्रकूट । मानिकपुर तहसील के बगरेही गांव के समाजसेवी गिरजेश कुमार मिश्र ने जिलाधिकारी को लिखे पत्र में कहा कि पूर्वजों के समय से बिना बंटवारा बने पैतृक घर पर रहने वालों के इशारे पर बिना परिवार रजिस्टर नकल व सहखातेदारों तथा कास्तकारों का अवलोकन किये बिना गांवसभा की अतिक्रमण की गई भूमि पर बने अवैध मकानों की घरौनी बनाने में मनमानी की जा रही है।सोमवार को पीडित समाजसेवी गिरजेश कुमार मिश्र ने कहा कि दस फरवरी को सवेरे दस बजे से शाम छह बजे तक हल्का लेखपाल वीरेन्द्र श्रीवास्तव घरौनी बना रहे थे। हल्का लेखपाल ने परिवार रजिस्टर की नकल, सजरा खानदान, कास्तकारों तथा सहखातेदारों एवं पूर्वजों के बने आबादी घरों की घरौनी बनाने में पदीय दायित्वों का सही ढंग से निर्वहन नहीं कर रहे। सहखातेदारों के पूर्वजों के समय से बने बिना बंटवारा वाले आबादी घरों पर रहने वालों के इशारे पर मनमानी ढंग से घरौनी बनाई जा रही है। इसके पहले भी पीडित ने गांवसभा की बेशकीमती भूमि पर अवैध ढंग से बने घरों के खिलाफ शिकायत की थी।पीडित समाजसेवी ने कहा कि गलत कार्य का विरोध जताने पर उसे झूंठा मुकदमा लगाकर फंसाने की धमकी राजस्व लेखपाल ने दी है। पीडित ने राजस्व लेखपाल वीरेन्द्र श्रीवास्तव के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

25 तक हर हाल में एयरपोर्ट की बने सडक: डीएम

चित्रकूट । जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने देवांगना एयरपोर्ट के लिए बन रही 14 सौ मीटर एप्रोच रोड को टर्मिनल तक जोडने का औचक निरीक्षण कर एयरपोर्ट एथार्टी एवं राइट्स संस्था के अधिकारियों को निर्देश दिये कि 25 फरवरी तक हर हाल में टर्मिनल बिल्डिंग तक जीएसबी डलवाकर सडक मार्ग पर आवागमन शुरु हो जाना चाहिए।सोमवार को जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द को देवांगना एयरपोर्ट के एयरपोर्ट एथार्टी एवं राइट्स संस्था के अधिकारियों ने बताया कि पांच सौ मीटर बाउंड्रीवाल का कार्य पूरा हो गया है।

केंद्रीय लाइब्रेरी में व्याप्त विभिन्न अनियमितताओं को लेकर कुलपति को सौंपा ज्ञापन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की केंद्रीय लाइब्रेरी में व्याप्त अनियमितताओं को लेकर छात्रों में आक्रोश है। इसको लेकर आज सैकड़ों छात्र छात्राओं ने कुलपति को ज्ञापन सौंपकर इन्हें दूर करने की मांग की है।इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ भवन पर चल रहे धरने के दौरान छात्रों की एक आपात बैठक हुई। जिसमें आम छात्र छात्राएं भी सम्मिलित हुए। छात्रों ने लाइब्रेरी में विभिन्न समस्याओं को लेकर अपनी बात को बारी बारी से रखा उसके तत्पश्चात अनशन कारियों ने अनशन स्थल से जाकर कुलपति दफ्तर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों के माध्यम से कुलपति को ज्ञापन सौंपा गया।छात्रों ने कुलपति से मांग की कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय की केंद्रीय लाइब्रेरी सदियों पुरानी लाइब्रेरी है इसी लाइब्रेरी से पढ़कर निकले लोग इस देश का नेतृत्व कर

रहे हैं। आज भी देश के कोने कोने में और उच्च पदों पर विराजमान हैं। केंद्रीय लाइब्रेरी में जर्नल और अध्ययन सामग्री ना के बराबर है जो है वह भी पुराने जमाने की है। लाइब्रेरी किताबों की कमी से जूझ रहा है। छात्र छात्राओं को बिना अध्ययन सामग्री के पढ़ाई करने में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं। वहीं दूसरी तरफ कंप्यूटर लैब छात्रों के अनुपात में कंप्यूटर नहीं है। कंप्यूटर लैब में जो भी कंप्यूटर है वह कहीं न कहीं टेक्निकल रूप से ध्वस्त हो चुके हैं। छात्र छात्राओं को बैठने के लिए लाइब्रेरी में पर्याप्त मात्रा में कुर्सी नहीं है। शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं हो पा रही है जिससे छात्र छात्राओं के पठन–पाठन में काफी व्यवधान उत्पन्न हो रहे हैं। छात्रों ने कुलपति से निवेदन है कि शीघ्र अति शीघ्र व्याप्त अनियमितताओं को दुरुस्त कराने का कष्ट करें अन्यथा समस्त छात्र–छात्राएं बड़े आंदोलन करने के बाध्य होंगे। ज्ञापन की प्रतिलिपि राष्ट्रपति, राज्यपाल विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं शिक्षा मंत्रालय को भेजी गई।इस मौके पर छात्र नेता त्र्यंबक नाथ, गोलू पासवान, अभिषेक यादव, जलज यादव, हरेंद्र यादव, मनजीत पटेल, शिवबली यादव, मुबाशिर हारून, अनुराग यादव, राहुल पटेल आदि लोग उपस्थित रहे।।

बाप-बेटे ने मिलकर बनाई थी रिठानी में सुरंग, बेटा गिरफ्तार, पिता फरार

परतापुर (मेरठ)। परतापुर में रिठानी पीर के पास 15 फीट की सुरंग बनाकर दीपक ज्वैलर्स एंड जनरल स्टोर में चोरी करने वाले गैंग का पुलिस ने खुलासा कर दिया। वारदात में बाप–बेटे शामिल निकले। पुलिस ने बताया कि सुरंग गाजियाबाद लोनी के गोल चक्कर निवासी गैंग सरगना सुरेंद्र उर्फ देवेंद्र ने अपने बेटे बृजमोहन के साथ मिलकर बनाई थी। पुलिस ने बृजमोहन को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि पिता फरार चल रहा है।एक फरवरी की रात परतापुर क्षेत्र में रिठानी पीर के पास स्थित दीपक ज्वैलर्स के यहां 15 फीट लंबी सुरंग बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। बदमाशों ने तिजोरी और काउंटर पर लिखा था कि उनका चुन्नु–मुन्नु गैंग है। इस बार वह पूरे तरीके से चोरी करने में सफल नहीं हुए हैं, वह दोबारा आएंगे।सीओ ब्रह्मपुरी शुचिता सिंह ने बताया कि इस गैंग ने चार दिन में सुरंग बनाने के बाद चोरी की थी। टेलीकाम की दुकान में भी चोरी करने में सुरेंद्र शामिल रहा है।

विकास प्राथमिकता वाले 37 बिंदुओं की समीक्षा

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने सोमवार को संगम सभागार में विकास प्राथमिकता वाले 37 बिंदुओं की समीक्षा करते हुए अधिशाषी अभियंता सिंचाई नहर प्रखण्ड से नहर के संचालन की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि नहरों में टेल तक अनिवार्य रूप से पानी पहुंचे, इसमें किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं आनी चाहिए। विद्युत विभाग की समीक्षा में जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अभियंताओं को विद्युत कनेक्शन समय से दिए जाने एवं विद्युत बिल की समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित किए जाने का निर्देश दिया है। पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निराश्रित गोवंशों के टीकाकरण का कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने, गोवंश आश्रय स्थलों में अनिवार्य रूप से चारा–भूसा इत्यादि की पर्याप्त व्यवस्था बनाये रखने के साथ–साथ निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलो में संरक्षित गोवंशों की ईयर टैगिंग का कार्य शत–प्रतिशत पूर्ण किए जाने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी शिपू गिरि, परियोजना निदेशक ए0के0 मौर्या, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी जितेन्द्र कुमार सहित सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विशेष बच्चों में रचनात्मकता होती है अद्वितीय: डीएम

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा दिव्यांगजनों में अर्न्तनिहित सृजनात्मक क्षमता को सार्वजनिक क्षेत्र में उजागर करने तथा उनकी पहुंच जनसामान्य तक सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य निधि अंतर्गत उत्तर प्रदेश मूक बधिर विद्यालय, प्रयागराज के सहयोग से निर्मित उत्पादों एवं कलाकृतियों के प्रर्दशन हेतु 13 से 15 फरवरी तक त्रिदिवसीय राज्य स्तरीय दिव्यांग कला मेला एवं दिव्य शक्ति प्रर्दशन (सांस्कृतिक कार्यक्रम) का आयोजन उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज में किया जा रहा है। उक्त प्रदर्शनी एवं आर्ट गैनेरी का उद्घाटन जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री द्वारा फीता काटकर किया गया। जिलाधिकारी द्वारा प्रदर्शनी में लगाये गये प्रत्येक स्टॉल पर जाकर दिव्यांगजनों द्वारा बनाये गये उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा उनके साथ फोटो भी खिंचवाई। जिलाधिकारी ने उनके द्वारा किए जा रहे

कार्यों की सराहना की तथा इसे और बेहतर करने हेतु प्रोसाहित किया। जिलाधिकारी द्वारा उत्पादों की खरीददारी भी की गयी। आर्ट गैलेरी का अवलोकन करते हुए प्रत्येक पेंटिंग को देखा तथा उनके संदेश के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रदर्शनी में जनपद की 18 व अन्य जनपदों की 11 (कुल 29) स्वैच्छिक संस्थाओंदिशक्षण संस्थानों द्वारा 35 स्टाल लगाकर अपनी कलाकृतियों, उत्पादों, तकनीकी नवाचार, चित्रकला का प्रर्दशन एवं जन सामान्य को कलाकृतियों एवं उत्पादों की बिक्री की जा रही है।प्रर्दशनी के उद्घाटन कार्यक्रम में उप निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, प्रयागराज मण्डल, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, प्रधानाचार्य उत्तर मूक बधिर विद्यालय, प्रयागराज एवं अन्य विभागीय विद्यालयों तथा स्वैच्छिक संस्थाओं कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी एवं विशेष बच्चें एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

निःशुल्क शिविर में 55 मरीजों की हुई जांच, दी गई दवा

मऊ। सोमवार को नगर के सिंधी कॉलोनी स्थित डॉक्टर फहद डेंटल लेजर एंड फेशियल ट्रामा सेंटर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी निशुल्क शिविर का आयोजन किया गया इसमें लगभग 55 मरीजों का निःशुल्क दांत मुख एवं जबड़ों का परीक्षण किया गया साथ ही उन्हें निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गई एवं बीमारियों से बचने के लिए जागरूक भी किया गया। डॉ एम फहद ने बताया की मुख के अंदर किसी तरीके का छाला घाव या कोई छोटी सिस्ट या गांठ जो दवा खाने के बाद भी ठीक नहीं हो रही हो तो उस पर समय रहते ध्यान देने की जरूरत है वरना यह कैंसर का रूप ले सकती है।

अगर आपका मुंह कम खुलता हो या मुंह खोलने पर दर्द होता हो चेहरे की किसी हड्डी पर कोई चोट हो या हड्डी फ्रैक्चर हो तो इन सभी बीमारियों का इलाज के लिए अब किसी बड़े शहर में जाने की आवश्यकता नहीं है इन सभी बीमारियों के उपचार के लिए आप हमसे परामर्श कर सकते हैं।

एक्यूप्रेशर के मेधावी हुए सम्मानित

प्रयागराज। माता प्रसाद खेमका एक्यूप्रेशर महाविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह आज संपन्न हुआ। जिसमें पत्राचार एवं संस्थागत छात्र छात्राओं में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाले अट्ठारह छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया और उन्हें

एक्यूप्रेशर परिवार का सदस्य घोषित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जस्टिस राजेस कुमार ने एक्युप्रेशर विधा की क्षमता को अभूतपूर्व बताया। साथ ही मेधावियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर संबोधित करते हुए जेपी अग्रवाल अध्यक्ष एक्यूप्रेशर संस्थान ने छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। महाविद्यालय के प्राचार्य एपी सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य तकनीकी शिक्षा डॉक्टर आंजनेय शुक्ला ने भी मेधावी छात्र–छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर आयरलैंड से आए प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ ब्रिजेन्द्र पाण्डेय ने उपस्थित मेधावियों एवं देश के अलग–अलग भागों में मौजूद एक्युप्रेशर विशेषज्ञों को आनलाइन माध्यम से सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि हृदय के रोगों के बचाव में एक्यूप्रेशर उपचार की क्षमता का प्रयोग कर हम दवाइयों के दुष्प्रभाव से बच सकते हैं। इस कार्यक्रम के साथ ही एक्युप्रेशर प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके 90 प्रशिक्षुओं का 7 दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम आरम्भ हुआ। जिसमें उन्हें उपचार के व्यवहारिक पक्ष की जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम में एस एस सराफ, एमके मिढा, एस पी केसरवानी, ए के दिवेदी, प्रभात वर्मा, आलोक कमलिया, रामकुमार शर्मा विशाल जायसवाल, एम एम कूल, सुनील मिश्रा, अभय त्रिपाठी, अंशू अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पुलिस के हाथ अभी खाली, महिला की पहचान तक नहीं हुई

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मेरठ। मेरठ के जामनगर में युवती का शव बोरे में मिलने के मामले में दूसरे दिन भी पुलिस खाली हाथ है। पुलिस न तो आरोपी को पकड़ सकी है और न ही मृतका की पहचान करा पाई है। वहीं युवती की हत्या से पहले दुष्कर्म की आशंका जताई जा रही है। इस बिंदु पर भी पुलिस जांच कर रही है। घटनास्थल के पास ही बिजली बंबा बाईपास चौकी तो दूसरी ओर पीएसी का बड़ा सेंटर है। इसके बावजूद आरोपी करीब डेढ़ किलोमीटर तक शव को सिर पर रखकर लड़खड़ाता हुआ ठिकाने लगाने पहुंच गया और किसी को भनक तक नहीं लगी। वहीं, दूसरी ओर जहां पर शव फेंका, वहां आसपास लोग आते–जाते दिख रहे हैं। ऐसे में उसने शव को फेंकने से पहले लोगों को देखा होगा। इसके बाद जब कोई आता–जाता नहीं दिखा तब उसने शव को फेंका है।वारदात के बाद पुलिस सीमा विवाद में उलझ गई। बोरे में शव मिलने की सूचना पर लिसाड़ीगेट और खरखौदा थाने की

पुलिस पहुंची। पहले दोनों थाना की पुलिस घंटों सीमा विवाद में उलझी रही। बाद में खरखौदा पुलिस ने अपना क्षेत्र मानते हुए शव को कब्जे में ले लिया। आरोपी युवक की सीसीटीवी के आधार पर पहचान कराने का भी क्षेत्र में प्रयास किया गया। सोशल मीडिया पर फुटेज वायरल की गई, लेकिन आरोपी और युवती की पहचान नहीं हो सकी।दो बोरे में बंद किया हुआ था शवहत्या करने के बाद प्लास्टिक के बारे में पहले शव को रखा गया, ताकि खून प्लास्टिक के बोरे से बाहर नहीं आ सके। इसके बाद दूसरे बोरे शव रखने के बाद आरोपी बोरे को फेंकने के लिए निकला और अंजाम देने में कामयाब रहा। लापता युवतियों और महिलाओं का रिकॉर्ड खंगाल रही पुलिसपुलिस ने मेरठ जोन के सभी जिलों में वायरलैस कर युवती और महिलाओं की दर्ज गुमशुदगी दिखवाई ताकि गुमशुदा युवती या महिला का तो शव नहीं है। `इसके जरिए भी पहचान कराने की कोशिश की जा रही है। सोशल मीडिया पर भी मैसेज वायरल कर शिनाख्त कराने की कोशिश की जा रही है। पहले भी युवती और महिलाओं के शव मिल चुके हैं–20 अगस्त 2022 को सानिया की हत्या करके शव फेंक दिया गया था हालांकि इस मामले का खुलासा पुलिस ने कर दिया था। बोरे में लिसाड़ी गेट में शव मिला था।

महात्मा गाँधी के सिद्धांतों पर चल कर ही देश को एकता के सूत्र में पिरोना सम्भव

प्रयागराज। महात्मा गांधी के आदर्श और सिद्धांतों पर चलकर ही समाज में फैले विद्वेष को खत्म करते हुए देश को एक सूत्र में पिरोना संभव है। आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की स्मृति दिवस पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अखिल भारतीय गांधी विचार आंदोलन मंच के राष्ट्रीय संयोजक कस्तूरबा गांधी स्मृति सेवा ट्रस्ट के निदेशक एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्मारक समिति के अध्यक्ष अशोक अशोक गांधी ने उक्त विचार व्यक्त किए।उन्होंने कहा कि आज देश में चारों ओर आग लगी हुई है कहीं जातियों के नाम पर विद्वेष फैलाया जा रहा है तो कहीं धर्म के नाम पर हिंदू मुस्लिम के नाम पर देश को विखंडित करने का कुत्सित प्रयास चल रहा है। इन सब को रोकने का एक ही तरीका है कि हम महात्मा गांधी के आदर्शों का अनुपालन करें और उनके बताए रास्ते पर चलकर ही समाज में फैले विदेश को खत्म करना और पूरे देश को एक सूत्र में पिरोना संभव हो सकता है।उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी अपने आश्रम में कभी भी छुआछूत जाति पात ऊंच नीच का भेदभाव नहीं करते थे सभी को एक समान आदर देते थे इसीलिए उन्हें लोगों ने महात्मा और राष्ट्रपिता का दर्जा दिया।सम्मेलन को प्रमुख रूप से अजय कुमार गुप्ता, रमेश चंद्र केसरवानी, सत्य प्रकाश गुप्ता, जवाहर लाल गुप्ता, रामचंद्र गुप्ता, सुरेश चंद गुप्ता, दिनेश गुप्ता, छेदी प्रबोध मानस, सुरेंद्र गुप्ता प्रीतम नगर, रतन कुमार केसरी पूर्व चेयरमैन सिरसा, रमेश चंद केसरी, केसरवानी वैश्य समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जारी से आए बबलू केसरवानी, वरिष्ठ पत्रकार रजनीश केसरवानी, हरिओम केसरवानी, कोरांव से आये गोपाल बाबू गुप्ता आदि ने संबोधित किया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।